JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग

केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com

जनमार्ग

निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक

आज का मौसम

अधिकतम	: 23
न्यूनतम	: 12
हवा में नमी	: 110

वर्ष : 66 ● अंक: 90 ● श्रीगंगानगर, शुक्रवार, 21.02.2025, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ :8

मंत्री की इंदिरा गांधी पर टिप्पणी, विधानसभा में हंगामा

● आपकी दादी के नाम पर रखी योजनाः अविनाश गहलोत

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में शनिवार को प्रश्नकाल के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर की गई एक टिप्पणी पर जमकर हंगामा हुआ। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने एक सवाल के जवाब में कहा कि पिछले बजट में 2023-24 में आपने हर बार की तरह अपनी दादी इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा खा। इस पर विपक्ष भड़क उठा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंत्री की टिप्पणी का कड़ा

विरोध करते हुए कहा कि यह क्या बकवास है? इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री रही हैं, उनके लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मामला इतना बिगड़ा कि कांग्रेस के विधायक सदन के वैल में आ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने स्थिति को शांत करने का प्रयास किया और कहा कि दादी एक सम्मानजनक शब्द है, लेकिन तब तक विधायक स्पीकर की टेबल तक पहुंच चुके थे। बढ़ते हंगामे को देखते हुए स्पीकर ने सुबह 11.36 बजे सदन की कार्यवाही को 30 मिनट के लिए स्थगित कर दिया। 12 बजकर 36 मिनट पर फिर से सदन की कार्यवाही शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा तो सभापति ने 2 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज हमारे सभी मंत्री प्रश्न के प्रभावी तरीके से जवाब दे रहे थे। तथ्यात्मक जवाब दे रहे थे। पहले तो विधायक रफीक खान ने कहा कि यह जवाब सब हवा हवाई है तो हमने ऐतराज किया। हमारी पार्लियामेंट लैंग्वेज में दादी-दादा, मामा-मामी अनपार्लियामेंट्री लैंग्वेज नहीं है। यह सम्मान जनक लैंग्वेज है। महात्मा गांधी को दादा कहते हैं। स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अगर दादी नाम से पुकारा जाता है तो यह पार्लियामेंट्री लैंग्वेज नहीं है। पटेल ने कहा कि कांग्रेस को लगा कि आज तो बहुत प्रभावी जवाब हो रहा है।

एसजीपीसी कार्यकारिणी ने नामंजूर किया प्रधान धामी का इस्तीफा

जनमार्ग न्यूज

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की कार्यकारिणी ने प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के इस्तीफे को नामंजूर कर दिया है। कार्यकारिणी ने स्पष्ट किया कि जल्द ही प्रधान धामी के साथ बैठक की जाएगी और उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए कहा जाएगा। एसजीपीसी के कामकाज की समीक्षा के लिए जल्द ही कुछ दिनों में बैठक बुलाई जाएगी। एसजीपीसी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मन्न ने एक्ट 1925 का हवाला देते हुए बताया कि संस्था श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह को हटाने का फैसला ले सकती है। वे जल्द ही इस एक्ट को लेकर श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह से मिलेंगे। गौरतलब है कि तीन दिन पहले उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब कार्यालय में अपना इस्तीफा सौंप दिया था। धामी ने इस्तीफे के पीछे श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह के पद को कारण बताया है। रघबीर सिंह ने 13 फरवरी को हरप्रीत सिंह को श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार पद से हटाए जाने के बाद पोस्ट शेयर की थी।

क्रिकेटर चहल-धनश्री वर्मा का हुआ तलाक हुआ

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा का तलाक हो गया है। कानूनी कार्यवाही पूरी करने के बाद दोनों ने आधिकारिक तौर पर अलग होने का फैसला किया है। एक मीडिया हाउस की रिपोर्ट के अनुसार, मामले से परिचित एक वकील ने बताया गुरुवार को बांद्रा फैमिली कोर्ट में अंतिम सुनवाई और सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी हुई, जिसमें दोनों सुबह 11ः00 बजे से मौजूद थे। रिपोर्ट के अनुसार, सुनवाई के दौरान जज ने इस कपल को काउंसलिंग सेशन में शामिल होने का निर्देश दिया।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव आज

❒ पार्टी ऑफिस पहुंचे गुजरात के पूर्व सीएम

❒ एक से ज्यादा नामांकन होने पर कल होगी वोटिंग

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। संगठन चुनाव के तहत आज प्रदेश बीजेपी में प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव होंगे। शाम साढ़े 4 बजे तक प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरे जाएंगे। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। शाम पांच से छह बजे तक नाम वापसी हो सकेगी। अगर शाम छह बजे बाद एक से अधिक नामांकन पत्र आते हैं तो शनिवार को प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए वोटिंग कराई जाएगी। प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव के लिए केन्द्रीय नेतृत्व ने प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल को केन्द्रीय पर्यवेक्षक और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय भाई रूपाणी को प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। रूपाणी बीजेपी ऑफिस पहुंच चुके हैं। बेशक बीजेपी में आज प्रदेशाध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू होगी, लेकिन इस पद पर मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का निर्वाचित होना तय माना जा रहा हैं। मदन राठौड़ की प्रदेशाध्यक्ष पद पर 26 जुलाई 2024 को नियुक्ति हुई थी। ऐसे में उन्हें इस पद पर करीब 7 माह का समय ही हुआ है। प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल भी संगठन की बैठकों में इस बात के संकेत दे चुके है कि प्रदेशाध्यक्ष के पद पर मदन राठौड़ ही निर्वाचित होंगे। बीजेपी मैसेज देने के लिए मदन राठौड़ के अलावा भी एक-दो नेताओं के नामांकन फॉर्म भरवा सकती है। लेकिन सभी फॉर्म नाम वापसी के समय वापस ले लिए जाएंगे। बीजेपी में संगठनात्मक दृष्टि से 44 जिले हैं। इनमे से 40 जिलों में जिलाध्यक्ष निर्वाचित हो चुके हैं। अभी भी चार जिलों झुंझुनूं, दौसा, धौलपुर और जोधपुर उत्तर में बीजेपी जिलाध्यक्ष का निर्वाचन नहीं करा सकी है।

आज सोना-चांदी के दाम में गिरावट

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी शुक्रवार (21 फरवरी) को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 541 रुपए गिरकर 85,979 रुपए पर आ गया है। कल सोने का दाम 86,520 रुपए पर था। बुधवार को गोल्ड ने 86,733 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 945 रुपए गिरकर 96,844 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। कल चांदी का भाव 97,789 रुपए किलो था।

महाकुंभ आने-जाने के दौरान 3 हादसे, 16 की मौत

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। महाकुंभ से जुड़े तीन हादसों में 16 लोगों की मौत हो गई। इनमें से दो हादसे उत्तर प्रदेश, तो एक हादसा बिहार में हुआ। दो एक्सीडेंट में लोग महाकुंभ में स्नान करके लौट रहे थे, जबकि एक परिवार डुबकी लगाने जा रहा था। बिहार के भोजपुर में महाकुंभ से लौट रही कार ट्रक के पीछे घुस गई। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें से चार लोग एक ही परिवार के थे। वहीं, वाराणसी में प्रयागराज हाईवे पर श्रद्धालुओं की कार खड़े ट्रक से टकरा गई। ये लोग स्नान करने जा रहे थे। इधर, क्क के ही गाजीपुर में महाकुंभ से लौटते हुए एक कार वाराणसी-गोरखपुर हाईवे पर खड़े ट्रॉले से टकरा गई। इसमें 4 की मौत हो गई। मृतकों में पूर्णिया (बिहार) के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की भांजी भी थीं। बिहार के भोजपुर में महाकुंभ से लौट रहे 6 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। मरने वालों में एक परिवार के 4 लोग (दंपती, बेटा और भतीजी) थे। घटना शुक्रवार सुबह पटना से 40 किमी पहले आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे पर दुल्हनगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप के पास हुई। यहां कार सड़क किनारे खड़े ट्रक पर पीछे से घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार का एक पहिया 20 फीट दूर पड़ा मिला। सभी शव कार के अंदर फंस गए थे। काफी कोशिश के बाद सभी मृतकों को बाहर निकाला गया।

जन्मदिन मुबारक

जनमार्ग न्यूज

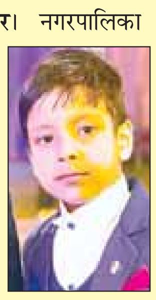

श्रीगंगानगर। नगरपालिका केसरीसिंहपुर के अधिशाषी अधिकारी विश्वास गोदारा-सुमन के लाडले पुत्र अधिराज चौधरी के छठे जन्मदिन पर माता-पिता, नाना-नानी व समस्त गोदारा परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों, शुभचिंतकों तथा जनमार्ग परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

अनियमितताओं व पालिकाध्यक्ष के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

● स्वायत शासन मंत्री झाबरमल्ल खर्रा को करवाया अवगत

जनमार्ग न्यूज

केसरीसिंहपुर। केसरीसिंहपुर नगरपालिका में कांग्रेस पार्टी का बोर्ड है, जिसमें लगातार भारी घोटालों की चर्चा जोरों पर है तथा भाजपा के स्थानीय नेताओं द्वारा इन घोटालों को उजागर भी किया जा रहा है। इसी क्रम में भाजपा नेता राजकुमार सचदेवा व सोहन छीनवाल द्वारा स्वायत्त शासन मंत्री झाबरमल्ल खर्रा से रूबरू होकर शिकायत की गई। इसके अलावा जिला कलक्टर को भी लिखित रूप में घोटाले की जांच करने के लिए पत्र दिया गया है अभी तक जांच पूर्ण नहीं हो पाई हे इसी बीच भाजपा सरकार बनने के बाद कांग्रेस बोर्ड व नगर पालिका अध्यक्ष पति द्वारा लगातार विकास कार्यों को ब्रेक लगाई जा रही है और अधिशासी अधिकारी द्वारा रखे गए विकास कार्यों के प्रपोजल पर हस्ताक्षर नहीं किया जा रहे जिससे कस्बे में सफाई व्यवस्था सहित सभी विकास कार्य ठप हो चुके हैं इतना ही नहीं भाजपा पार्षदों वअधिशासी अधिकारी द्वारा संविदा कर्मचारीयों को रखने के लिए प्रस्ताव पर भी नगर पालिका अध्यक्षा सुमिता अग्रवाल कोई रुचि नहीं ले रही व इस पर हस्ताक्षर करने से मना कर रही हे वही नगर पालिका अधिशासी अधिकारी व कर्मचारियों को **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

स्कूल संचालक ने सीज प्रॉपर्टी का तोड़ा ताला

● लोन नहीं चुकाने पर हाईकोर्ट ने दिए थे आदेश, बैंक में थी गिरवी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिले में हाईकोर्ट के आदेश पर सीज किए गए निजी स्कूल और मकान के ताले स्कूल संचालक ने ग्रामीणों की मौजूदगी में शुक्रवार सुबह तोड़ दिए और स्कूल का संचालन फिर से शुरू कर दिया। हाईकोर्ट ने बैंक का लोन चुकाने में नाकाम रहने पर प्रॉपर्टी सीज करने के आदेश दिए थे। जिस पर गुरुवार को प्रशासन ने स्कूल और मकान को सीज किया था। मामला रायसिंहनगर थाना इलाके के गांव 82 आरबी का है। हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस और प्रशासन ने गुरुवार शाम को गांव 82 आरबी के निजी स्कूल की कुर्कशुदा प्रॉपर्टी का कब्जा बैंक को दिला दिया। इस दौरान स्कूल संचालक और उनके समर्थकों ने बैंक और प्रशासन की ओर से की जा रही कार्रवाई का विरोध किया था, लेकिन एसडीएम सुभाषचन्द्र चौधरी ने पुलिस टीम के साथ बैंक को प्रॉपर्टी का कब्जा दिला दिया था। इस दौरान डीएसपी अनु बिश्नोई, तहसीलदार हर्षिता मिढा, थानाधिकारी सत्यनारायण गोदारा और बैंक के अधिकारी मौजूद रहे। चक 82 आरबी में बीआर मॉडल स्कूल की प्रॉपर्टी एयू स्मॉल बैंक में लोन को लेकर स्कूल संचालक आत्माराम बिश्नोई ने गिरवी रखी थी, लेकिन लोन नहीं चुका पाने से बैंक ने इस स्कूल भवन पर ताला लगा दिया था।

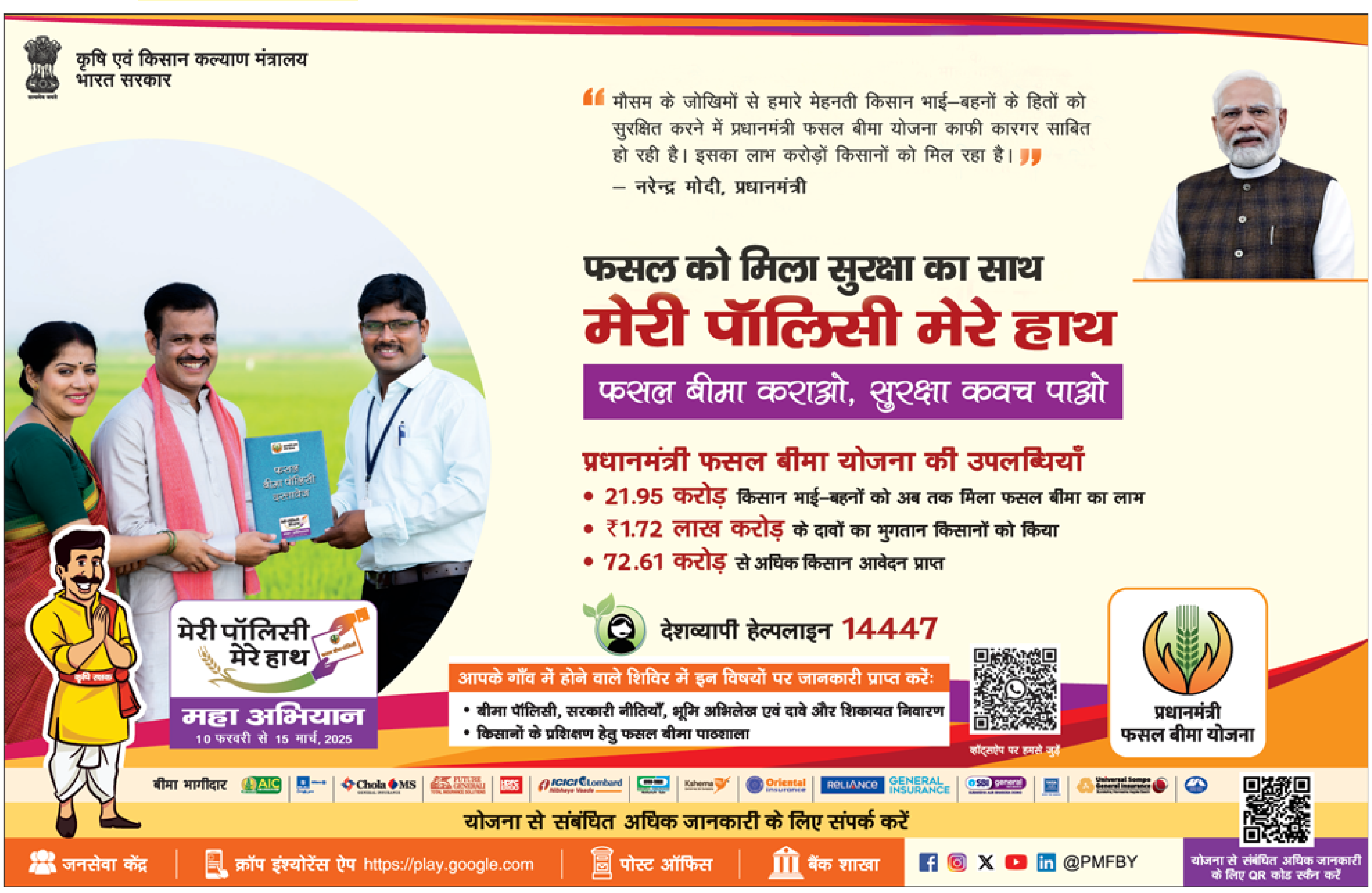

सम्पादकीय

बहुत ज्यादा बेचे गए टिकट

हादसे वाले दिन नई दिल्ली स्टेशन पर अधिक प्लेटफार्म टिकट जारी होने से भी स्थिति बिगड़ी थी। नई दिल्ली स्टेशन पर त्रासद हादसे के बाद कई सख्त नियम-कायदे लागू किए गए, लेकिन दूरदर्शिता के अभाव में भगदड़ और उसके नतीजे में जो हुआ, उससे स्टेशन प्रबंधकों की बदइंतजामी और घोर लापरवाही ही सामने आई। भारत के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर त्योहारों और छुट्टियों के दौरान या किसी विशेष आयोजनों के समय डिब्बों से लेकर प्लेटफार्म तक यात्रियों की भीड़ बेतहाशा बढ़ जाती है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पिछले दिनों मची भगदड़ के बाद उठे कई सवालों के बीच दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक जरूरी सवाल उठा कर रेलवे की एक सबसे बड़ी खामी की ओर इशारा किया है। आमतौर पर किसी भी रेलगाड़ी में डिब्बों के हिसाब से यात्रियों की संख्या निर्धारित होती है। इसी तरह अनारक्षित श्रेणी के डिब्बे में भी यात्रियों की एक सीमा है। मगर यह देखा गया है कि छुट्टियों और त्योहारों के दौरान गैरआरक्षित टिकटों की बिक्री करने में किसी सीमा का ध्यान नहीं रखा जाता। ऐसी स्थिति में सीट मिलना तो दूर, सामान्य डिब्बे में घुसने तक की स्थिति न बन पाने की वजह से कई यात्री आरक्षित डिब्बे में भी सवार हो जाते हैं। इससे पहले से आरक्षित श्रेणी में यात्रा करने वालों को काफी दिक्कत होती है। वहीं अनारक्षित डिब्बे में पैर रखने तक की जगह नहीं होती। कई बार यात्री दरवाजे पर लटके दिखाई देते हैं। ऐसे में स्टेशन पर मची भगदड़ के संदर्भ में उच्च न्यायालय ने उचित सवाल किया है कि डिब्बों की क्षमता से अधिक टिकट बेचे ही क्यों गए। यह प्रश्न स्वाभाविक ही है कि जब रेलवे को मालूम है कि स्टेशन से कितनी गाड़ियां रवाना होंगी और एक डिब्बे में अधिकतम कितनी संख्या में लोग यात्रा कर सकते हैं, तो उससे बहुत ज्यादा टिकट कैसे बेचे गए। दरअसल, रेलवे कई बार अपने ही बनाए नियमों की उपेक्षा करता है। उच्च न्यायालय ने इस प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल उठाया है। हादसे वाले दिन नई दिल्ली स्टेशन पर अधिक प्लेटफार्म टिकट जारी होने से भी स्थिति बिगड़ी थी।

रजिया से रेखा, दिल्ली पर राज करतीं महिला शासक

रेखा गुप्ता ने गुरुवार को राजधानी के रामलीला मैदान पर जब दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तब वहां से कुछ दूरी पर दिल्ली 6 की एक गली में सन्नाटा था। इसका नाम है बुलबुलीखाना। यहां चारों तरफ से घिरे हुए परिसर में चिर निद्रा में हैं रजिया सुल्तान। यहां की हालत को देखकर समझ आता है कि इधर अब शायद ही कोई उस रजिया सुल्तान की कब्र पर फूल चढ़ाने आता हो जिसने 1236-1240 के बीच दिल्ली पर राज किया था। इधर लगे एक शिलापट्ट पर बताया गया है कि रजिया सुल्तान दिल्ली सल्तनत में गुलाम वंश के प्रमुख शासक इल्तुतमिश की बेटी थीं। इल्तुतमिश ने अपनी मृत्यु से पहले अपनी बेटी को अपना उतराधिकारी बना दिया था। उसे अपने किसी भी पुत्र में दिल्ली पर राज करने की कुव्वत नजर नहीं आती थी। बहरहाल, रजिया सुल्तान के राज के सात सौ साल से भी अधिक समय के बाद शीला दीक्षित 1998 में दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं। उन्होंने लगातार 15 सालों तक दिल्ली पर राज किया। इतने लंबे समय तक दिल्ली पर शायद ही किसी शासक ने लगातार राज किया हो। अगर मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित का कार्यकाल सबसे लंबा रहा तो सुषमा स्वराज का कार्यकाल दो महीने भी नहीं रहा। वो 12 अक्टूबर 1998 से लेकर 3 दिसंबर 1998 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रही।

जाहिर है कि इतने छोटे से कार्यकाल में वो कोई अहम कदम जनता के हित में नहीं ले सकी थीं। भाजपा आलाकमान ने साहिब सिंह वर्मा के स्थान पर सुषमा स्वराज को मुख्यमंत्री बनाया था। अब साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश साहिब सिंह वर्मा दिल्ली की कैबिनेट में आ गए हैं। अगर आप दिल्ली की सियासत के गुजरे दौर के पन्ने खंगालें तो पता चलेगा कि डॉ. सुशीला नैयर को अज्ञात कारणों के चलते यहां के पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी से दूर रखा गया था। देश के पहले लोकसभा चुनाव के साथ ही दिल्ली विधानसभा का भी चुनाव 1952 में हुआ था। उसमें कांग्रेस को अभूतपूर्व विजय मिली। सियासत और सार्वजनिक जीवन में कामकाज के लिहाज से डॉ. सुशीला नैयर के मुख्यमंत्री बनने की पूरी उम्मीद थी। पर दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री बनाए गए नांगलोई के विधायक चौधरी ब्रहम प्रकाश। उन्होंने डॉ. सुशीला नैयर को अपना स्वास्थ्य मंत्री बनाया। तब बहुत लोगों को हैरानी हुई थी कि डॉ. सुशीला नैयर को क्यों मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। वो देव नगर से विधानसभा के लिए निर्वाचित हुई थीं। डॉ. सुशीला नैयर गांधी जी की शिष्य होने के साथ-साथ उनकी निजी चिकित्सक भी थीं। वो गांधी जी के निजी सचिव प्यारे नैयर की छोटी बहन थीं। जब गांधी जी ने 12 से 18 जनवरी, 1948 को उपवास रखा तब डॉ. सुशीला नैयर उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही थीं। उन्होंने ही फरीदाबाद में ट्यूबरक्लोसिस सेनेटोरियम की स्थापना करवाई। उन्होंने देशभर में डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्र में जाने को प्रेरित किया। उनकी शख्सियत बहुत शानदार थी। उन्होंने कभी किसी से शिकायत नहीं की कि उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। खैर, अरविंद केजरीवाल के अचानक से इस्तीफा देने के बाद आतिशी पिछले साल 17 सितंबर को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं। अब रेखा गुप्ता दिल्ली की चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के दौलत राम कॉलेज की स्टूडेंट रही रेखा गुप्ता दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ की अध्यक्ष भी रही हैं। उन्हें अब दिल्ली के मसलों को हल करना होगा। रेखा गुप्ता की पहली प्राथमिकता उस यमुना को स्वच्छ करना होना चाहिए जिसे दिल्ली सदियों से जमुना जी कहती है। उसके लिए यह पूजनीय है। पुरानी दिल्ली वाले इसे प्यार से और सम्मानपूर्वक अब 'जमुना जी' ही कहते हैं। दिल्ली के लिए, यमुना सिर्फ एक नदी ही नहीं है। इसके पानी में स्नान करना एक आशीर्वाद माना जाता है, मोक्ष की ओर एक कदम। जब दिल्ली अपनी चारदीवारी वाले शहर तक ही सीमित थी, तो जमुना जी जीवन रेखा थीं। इसने पीने का पानी उपलब्ध कराया, अपने किनारों पर उगाई जाने वाली सब्जियों को पोषण दिया, पशुधन को पानी पिलाया, जीवंत तैराकी मेलों की मेजबानी की।

दिल्ली की बुजुर्ग महिलाएं नियमित रूप से सुबह जल्दी जमुना जी जाती थीं, स्नान और ध्यान के लिए। दिल्ली में एक लंबे अंतराल के बाद बीजेपी की सत्ता में वापसी के साथ, उसे यमुना को बचाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्थिति गंभीर है। दिल्ली में वजीराबाद से ओखला बैराज तक यमुना नदी के प्रदूषण के कई कारण हैं, जो इसे मैली बनाते हैं। रेखा गुप्ता के सामने चुनौती बड़ी है। उन्हें अपने को साबित करना होगा।

बगिया के लाल विष्णु देव का कमाल छत्तीसगढ़ में ट्रिपल इंजन की सरकार

दूरस्थ आदिवासी अंचल जशपुर के बगिया गांव में विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को हुआ। तब किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि बगिया का यह लाल, एक दिन छत्तीसगढ़ के मुखिया की महती जिम्मेदारी संभालेंगे। छत्तीसगढ़ के प्रथम निर्विवाद आदिवासी मुख्यमंत्री होने का इतिहास विष्णुदेव साय के नाम पर दर्ज है। उनके सहज, सरल व्यक्तित्व में छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री होने का भाव साफ झलकता है। मृदुभाषी होने के साथ ही प्रशासनिक कसावट को लेकर उनकी छवि ने जन सामान्य का दिल जीत लिया है।

छत्तीसगढ़ में इस समय ट्रिपल इंजन की सरकार है। यह संभव हो सका है प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच और सुशासन से। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति अपनाते हुए उन्होंने संवेदनशीलता के साथ हर वर्ग का ध्यान रखकर नीतियां बनाई। परिणाम सबके सामने है। साय सरकार के 14 महीने की अल्पावधि में ही चहुंओर सांय-सांय काम हो रहा है।

छत्तीसगढ़ की जनता का विश्वास जीतने में विष्णु देव साय कामयाब हुए। नतीजतन, हाल ही में हुए नगरीय निकाय चुनाव में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। विधानसभा, लोकसभा के बाद अब नगरीय निकायों के चुनाव में भारी सफलता ने विष्णु देव के कुशल नेतृत्व पर मुहर लगा दी है। निश्चय ही ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से अब छत्तीसगढ़ में विकास की गति तेज होगी।

दूरस्थ आदिवासी अंचल जशपुर के बगिया गांव में विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को हुआ। तब किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि बगिया का यह लाल, एक दिन छत्तीसगढ़ के मुखिया की महती जिम्मेदारी संभालेंगे। छत्तीसगढ़ के प्रथम निर्विवाद आदिवासी मुख्यमंत्री होने का इतिहास विष्णुदेव साय के नाम पर दर्ज है। उनके सहज, सरल व्यक्तित्व में छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री होने का भाव साफ झलकता है। मृदुभाषी होने के साथ ही प्रशासनिक कसावट को लेकर उनकी छवि ने जन सामान्य का दिल जीत लिया है। वैसे तो पंच से लेकर सरपंच, विधायक, सांसद, केंद्रीय राज्यमंत्री और मुख्यमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर उपलब्धियों भरा है। लेकिन, बीते 14 महीने में मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा बनाई गई जनहितैषी नीतियों से सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल रहा है।

विष्णुदेव साय किसान पुत्र हैं। वे किसानों के दुख-दर्द को भलीभांति जानते और समझते हैं। अन्नदाता किसानों की चिंता करते हुए विष्णु देव साय ने सरकार बनते ही सबसे पहले किसानों का दो साल का बकाया बोनस दिया। 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी सुनिश्चित की। इससे किसानों के जीवन में खुशहाली आई है। किसान अब धान की

खेती से धनवान बनने की ओर अग्रसर हैं।

कोई भी नागरिक खुले आसमान के नीचे नही सोएगा, सबका खुद का आशियाना होगा, इसकी चिंता करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 18 लाख से अधिक जरूरतमंद हितग्राहियों के लिए प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मुख्यमंत्री बनते ही दी। यह उनकी संवेदनशीलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। इसी तरह माता-बहनों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में महतारी वंदन योजना मील का पत्थर साबित हो रहा है। हर महीने करीब 70 लाख महिलाओं के खाते में सीधा एक हजार रुपए जमा होने से उनके जीवन स्तर में बहुत कुछ बदलाव आया है। माताएं-बहनें आत्मनिर्भर हो रहीं हैं।

युवाओं का विश्वास सरकारी व्यवस्था पर से उठने लगा था। पूर्ववर्ती सरकार में पीएससी में हुए बड़े पैमाने पर घोटाले की वजह से युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे थे। युवा, किसी भी देश-राज्य के भविष्य की रीढ़ हैं। पीएससी परीक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन और पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं आयोजित होने से युवाओं का भरोसा जीतने में विष्णु देव साय कामयाब हुए हैं।

छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति को लोकव्यापी और सुगम बनाकर इन्वेस्टर को आकर्षित करने में विष्णु देव साय कामयाब हुए हैं। विकासशील छत्तीसगढ़ में उद्योग के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में साय सरकार की नई औद्योगिक नीति निश्चित रूप से मील का पत्थर साबित होगी।

धर्म-कर्म-अध्यात्म, सनातन की रीढ़ हैं। चाहे राजिम कुंभ कल्प को पुर्नप्रतिष्ठित करने की बात हो, या प्रयागराज महाकुंभ में छत्तीसगढ़ पवेलियन बनाकर श्रद्धालुओं को सुविधाएं मुहैया कराने की बात अथवा श्रीराम लला अयोध्या धाम दर्शन योजना से प्रदेश के 20 हजार से अधिक नागरिकों को अयोध्या धाम का दर्शन कराने की बात हो, विष्णु देव ने देवतुल्य जनता का बखूबी ख्याल रखा है।

सुशासन से समृद्ध छत्तीसगढ़ बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नीतियां जन-जन के लिए कल्याणकारी और उपयोगी साबित हुई है। लोकतंत्र में जनता के मंशानुरूप और उनके भरोसे को कायम रखकर काम करना कुशल नेतृत्व का परिचायक है। एक के बाद एक लगातार लोकसभा और नगरीय निकाय में मिला बड़ा जनादेश विष्णु देव साय की कुशल रणनीति, साफ नीयत और पारदर्शी शासन व्यवस्था का ही परिणाम है। इन दिनों हर जुबां पर एक ही चर्चा है-सुशासन के दम पर बगिया के लाल विष्णु देव ने कर दिया कमाल।

हड़बड़ी न करें, धैर्य का फल मीठा होता है

किसी गुरुकुल में गुरुदेव बालकों को बाण चलाना सिखा रहे थे। एक अतिउत्साही शिष्य ने धनुष को इतनी जोर से खींचा कि उसके दो टुकड़े हो गए। गुरुदेव ने शिष्य को ज्ञान दिया कि अधीरता से योग्यता अपव्यय हो जाती है। लक्ष्य को भेदने के लिए जितनी ऊर्जा की आवश्यकता है उससे अधिक या कम ऊर्जा का प्रयोग करने पर लक्ष्य को साधना असंभव है। हमारा जीवन भी एक धनुष के समान है। यदि धैर्यपूर्वक ऊर्जा को धीरे-धीरे संचित करने के बाद नियंत्रण के साथ इसे व्यय करने की कला सीख ली जाए तो लक्ष्य कितनी ही दूरी पर क्यों न हो उसे प्राप्त करना असंभव नहीं है। धैर्य का अर्थ मूक रहकर मात्र प्रतीक्षा करना नहीं है। धैर्य का अर्थ है उत्तेजनारहित होकर अपने कार्य में निरंतर संलग्न रहना। किसी कार्य के प्रति अतिउत्साह अथवा असंयम उक्त कार्य के फल को परिपक्व नहीं होने देता। चाक पर चढ़े कच्चे घड़े को यदि आतुरता में समय से पहले उतार लिया जाए तो उसका आकार विकृत हो जाता है। हमें ऐसा भ्रम हो सकता है कि जीवन में प्रगति इतनी धीमी गति से हो रही है कि कोई परिवर्तन दिखाई नहीं देता। हम परिवर्तन की चाह में धैर्य खो बैठते हैं और शीघ्र सफलता की आकांक्षा में हड़बड़ी में ऐसे निर्णय ले बैठते हैं, जिनसे हमारा भविष्य बिगड़ सकता है। युवाओं में ऊर्जा का अधिक भंडार होता है। यह ऊर्जा उन्हें कार्य को जल्द से जल्द संपादित करके फल प्राप्ति के लिए लालायित करती है। उन्हें इस ऊर्जा का सदुपयोग करना नहीं आता।

एकाग्रता के बिना मंत्र जप नहीं हो सकता

एक दिन सरयू नदी के किनारे पर गोस्वामी तुलसीदास प्रवचन दे रहे थे। वे अक्सर यहां प्रवचन देते थे। इस दौरान तुलसीदास जी लोगों की समस्याओं का समाधान भी करते थे। एक दिन तुलसीदास जी आंखें बंद करके जप कर रहे थे। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप आंखें बंद कर किसे याद कर रहे हैं? तुलसीदास जी बोले कि मेरे राम को। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि तो क्या ये जरूरी है कि भगवान के नाम का जप किया जाए? तुलसीदास जी ने कहा कि हां, ये तो बहुत जरूरी है। नाम जप करने से मन काबू में रहता है। जिन लोगों का मन काबू रहता है, वे शांत रहते हैं। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि जब मैं नाम जप करने बैठता हूं तो मन नहीं लगता है, मुझे क्या करना चाहिए? तुलसीदास जी बोले कि कई लोगों की ये समस्या है, जप में मन नहीं लगता। इस कारण लोग भक्ति करना ही छोड़ देते हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें, मन लगे या न लगे, हमें जप करते रहना चाहिए। हमारा मन एक भूमि की तरह है। भूमि में बीज बोने पर उससे पौधा जरूर उगता है, बीज उल्टा गिरे या सीधा, पौधा तो उगता ही है। ठीक इसी तरह हमें भी मन में भक्ति का बीज बोते रहना चाहिए। जप के लिए सबसे जरूरी है एकाग्रता। सभी को एकाग्रता की जरूरत है। अशांत मन एकाग्र नहीं हो सकता है। जप करते रहेंगे तो मन शांत रहेगा, एकाग्रता बनी रहेगी। जप करने से देर से ही सही, लेकिन इसका सकारात्मक फल जरूर मिलता है।

पेरेंट्स के झगड़े का बुरा असर, बच्चे को हो सकता है डिप्रेशन

किसी भी कपल का रिश्ता कितना भी अच्छा क्यों न हो, उनके बीच बात-बहस होना स्वाभाविक है। वहीं जब वे पेरेंट्स बनते हैं तो उनके बीच की असहमति या झगड़े का बच्चे पर भी नेगेटिव असर पड़ता है। कई बार घर में बहस के दौरान पेरेंट्स ये सोचते हैं कि उनका बच्चा कुछ भी नहीं समझ रहा है। लेकिन बच्चे सब सुनते और समझते हैं। इसका उनकी मेंटल हेल्थ पर बुरा प्रभाव पड़ता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पेरेंट्स के झगड़े बच्चे की मेंटल हेल्थ को प्रभावित करते हैं। इससे उनमें डिप्रेशन और एंग्जाइटी का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा उनमें आत्मसम्मान और सुरक्षा की भावना भी कम हो सकती है। अगर पेरेंट्स खुश रहेंगे तो बच्चा भी खुश रहेगा। माता-पिता के दुखी होने पर बच्चे भी दुखी होते हैं। इसलिए अगर आप अपने बच्चे को खुश देखना चाहते हैं तो पहले अपने रिलेशनशिप को खुशहाल बनाने पर काम करें। पेरेंट्स के झगड़े का बच्चे की मेंटल और इमोशनल हेल्थ पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इससे वे तनाव महसूस कर सकते हैं और उनमें असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है। पेरेंट्स के बीच बात-बहस और झगड़े को देखकर बच्चे में घबराहट और डर पैदा हो सकता है। पेरेंट्स के झगड़े बच्चे को और किस तरह से प्रभावित करते हैं। पेरेंट्स के झगड़े का बच्चे के व्यवहार पर सीधा असर पड़ता है। वे आक्रामक या चिंतित हो सकते हैं। कुछ बच्चे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में असमर्थ हो सकते हैं, जबकि कुछ बच्चों के सोशल बिहेवियर में बदलाव हो सकता है। वे अधिक गुस्से या डर के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं। पेरेंट्स के झगड़े का असर बच्चे के साथ उनके रिश्ते पर तो पड़ता ही है, साथ ही बच्चे में प्यार की जगह डर और संकोच की भावना पैदा हो सकती है। जब बच्चे पेरेंट्स के झगड़े देखते हैं तो रिश्तों पर उनका विश्वास कम हो सकता है। वे भविष्य में अपने संबंधों को लेकर संकोच कर सकते हैं। वे अपने रिश्तों में इनसिक्योर और चिड़चिड़े हो सकते हैं। पेरेंट्स को बच्चे के सामने झगड़ा या कठोर बहस करने से बचना चाहिए। अगर किसी बात पर असहमति हो तो बच्चे से दूर होकर शांतिपूर्वक बात करके हल निकालना चाहिए। इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना चाहिए। अगर आपस

में किसी बात पर असहमति होती है तो बच्चे के सामने बहस नहीं करनी चाहिए। इसके बजाय बच्चे जब पढ़ने जाएं या फिर सो जाएं तो इस पर बातचीत करें। जब आपके बीच झगड़ा हो तो शांत होकर यह समझने की कोशिश करें कि असल में मुद्दा क्या है। गुस्से में आकर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय सोचें कि समस्या की जड़ क्या है। इससे प्रॉब्लम को हल करने में आसानी होती है। असहमति हर रिश्ते में होती है, लेकिन इसका हल झगड़े से नहीं निकलता है। इसलिए दोनों लोग बैठकर समस्या पर बातचीत करें। इस दौरान एक-दूसरे की बातें सुनें। इससे गलतफहमियां दूर होती हैं। झगड़े को सुलझाने के लिए आपसी सहमति से एक गाइडलाइन बनाएं। जैसे 'हम बच्चों के सामने बहस नहीं करेंगे।' इससे किसी भी विवाद को हल करने में मदद मिलेगी। झगड़े के दौरान भी शब्दों का सावधानी से चयन करना बेहद जरूरी है। ध्यान रखें कि गुस्से में अपशब्द कहने से रिश्ते और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। बच्चे की अच्छी परवरिश के लिए पॉजिटिव माहौल देना जरूरी है। अगर घर में शांति और प्यार होगा तो बच्चे भी उसी माहौल में ग्रोथ करेंगे और खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे। भले ही पेरेंट्स के बीच कुछ मतभेद हो, लेकिन बच्चे के सामने एक-दूसरे से प्यार और सम्मान जताना न भूलें। इससे उनमें भी प्यार की भावना बनी रहेगी। अगर बात बढ़ जाए तो काउंसलर की मदद लें। कभी-कभी इससे भी समस्या हल हो सकती है।

जनमार्ग
सिटी न्यूज
JANMARG news
श्रीगंगानगर, शुक्रवार, 21 फरवरी 2025

चेक अनादरण के दोषी को 2 साल कारावास व जुर्माने की सजा

जनमार्ग न्यूज

रावतसर। स्थानीय न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा कुमावत ने चेक अनादरण के 9 वर्ष पुराने एक प्रकरण में निर्णय सुनाते हुए अभियुक्त को दो वर्ष के कारावास एवं 5 लाख 50 हजार रुपए प्रतिकर राशि से दंडित किया है। मामले के अनुसार परिवादी मदनलाल पुत्र चेतराम निवासी चाईया तहसील रावतसर ने न्यायालय में परिवाद पेश कर बताया कि आरोपी रवि कुमार पुत्र पोलाराम निवासी चाईया ने उससे 4 लाख 25 हजार रुपए डेढ़ रुपए प्रति सैकड़ा ब्याज दर पर उधार लिए थे जिनकी अदायगी बाबत चेक दिया जो उसके खाता में भुगतान योग्य पर्याप्त निधि नहीं होने के कारण अनादरित हो गया। जिस पर परिवादी ने न्यायालय में परिवार दायर किया। दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा कुमावत ने अभियुक्त रविकुमार को दोषी करार देते हुए 2 साल के कारावास एवम जुर्माने की सजा सुनाई। न्यायालय ने अदम अदायगी प्रतिकर राशि एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतने के आदेश भी दिए हैं। निर्णय में टिप्पणी करते हुए लिखा कि वर्तमान समय में व्यापारिक जगत में चेक से सव्यवहार बढा है। ऐसे में चेक अनादरित होने का प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ता है एवम व्यापार जगत के प्रतिकूल है। लेनदेन के संव्यवहार की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए चेक के द्वारा भुगतान की अपेक्षा की जाती है। परिवादी की पैरवी एडवोकेट सतीश सहू ने की।

बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की रणनीति बनाने में जुटा माइंस विभाग : टी. रविकान्त

❑ एक्सीलेंस सेंटर, इंस्टीट्यूट ऑफ माइंस, पेट्रो केम्पस से नई पीढ़ी का होगा एक्सपोजर ❑ क्रियान्वयन का बनेगा रोडमेप, क्रियान्वयन के आधार पर तीन भागों में किया चिन्हित ❑ खनन क्षेत्र में एक्सप्लोरेशन, निवेश, राजस्व व रोजगार के नए अवसर होंगे विकसित

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राज्य का माइंस विभाग बजट घोषणाओं की समयवद्ध क्रियान्वयन की रणनीति बनाने में जुट गया है। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने विभाग को बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में एक्टिव मोड़ पर लाते हुए 2025-26 की बजट घोषणाओं के संबंध में विभागीय स्तर पर आवष्यक प्रस्ताव व कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। यह पहला मौका है जब जयपुर में एक्सीलेंस सेंटर, उदयपुर में इंस्टीट्यूट ऑफ माइंस और जोधपुर में एमबीएम यूनिवर्सिटी में पेट्रो केम्पस की स्थापना के साथ ही राजस्थान मिनरल एक्सप्लोरेशन लि. के गठन की घोषणा से माइंस सेक्टर को नई दिशा, एक्सप्लोरेशन को गति और नई पीढ़ी को खनन क्षेत्र के नवीनतम शोध-अध्ययन से रुबरु होने का अवसर मिलेगा।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने गुरुवार को सचिवालय में एमडी आरएसएमएम भगवती प्रसाद कलाल, निदेशक माइंस दीपक तंवर, जेएस माइंस श्रीमती आशु चौधरी व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअली बैठक में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में निर्देश दिए। गौरतलब है कि बुधवार को बजट घोषणा के तत्काल बाद दूसरे दिन ही वीसी के माध्यम से आवश्यक निर्देश देकर माइंस विभाग को एक्टिव मोड़ पर लाया गया है।

टी. रविकान्त ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा स्वयं माइंस मंत्री भी है और उनके मार्गदर्शन में प्रदेश में माइंस सेक्टर के सभी पहलूओं का समावेष करते हुए बजट घोषणाएं की गई है और इससे प्रदेश में खनिज खोज-खनन, शोध एवं विकास, युवाओं को खनन क्षेत्र में विशेषज्ञता अध्ययन सहित नए कार्यो को नई दिषा मिलेंगी व प्रदेश में खनन क्षेत्र में एक्सप्लोरेशन, निवेश, राजस्व व रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि बजट घोषणाओं को तीन भागों में विभाजित करते हुए रोडमेप बनाया जा रहा है। एक वह घोषणाएं जिनके क्रियान्वयन पर वित्तीय भार नहीं पड़ेगा और विभागीय स्तर पर ही परीक्षण कर प्रशासनिक व विधिक आदेश जारी किए जा सकेंगे। दूसरी वह घोषणाएं जिनके लागू करने पर सरकार पर वित्तीय भार तो नहीं पड़ेगा पर वित व कार्मिक आदि अन्य विभागों से सहमति ली जानी होगी। उन्होंने कहा कि तीसरी कैटेगरी में वह घोषणाएं हैं जिनको लागू करने पर सरकार पर वित्तीय भार पड़ेगा। श्री रविकान्त ने कहा कि तीनों कैटेगरी की सभी घोषणाओं का परीक्षण कर कार्रवाई तत्काल शुरु कर दी जाएं।

एमडी आरएसएमएमएल भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि राजस्थान मिनरल एक्सप्लोरेशन लिमिटेड के गठन की आवश्यक रुपरेखा शीघ्र ही तैयार कर ली जाएगी।

निदेशक माइंस दीपक तंवर ने बताया कि बजट घोषणाओं के समयवद्ध क्रियान्वयन की आवश्यक कार्ययोजना तैयार कर राज्य सरकार को प्रस्ताव भिजवाए जाएंगे। संयुक्त सचिव माइंस श्रीमती आशु चौधरी ने बताया कि बजट घोषणाओं को क्रियान्वयन के अनुसार वर्गीकृत करने की आवश्यक कार्यवाही आरंभ कर दी गई।

बैठक में अतिरिक्त निदेशक माइंस महेश माथुर, पीआर आमेटा, वाईएस सहवाल, मुख्यकार्यकारी अधिकारी आरएसएमईटी एनपी सिंह, निदेशक पेट्रोलियम अजय शर्मा, एसएमई मेजर भीम सिंह, जयपुर एनएस शक्तावत, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी सचिवालय सुनील कुमार वर्मा, एमई उदयपुर आसिफ अंसारी आदि ने आवष्यक सुझाव दिए।

प्रो. एएस कोहली छात्रवृत्ति से मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। एस जी एन खालसा पी.जी. कॉलेज, श्रीगंगानगर में प्रो. ए. एस. कोहली फाउंडेशन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना एवं उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करना है।पूर्व प्राचार्य प्रो. ए. एस. कोहली की स्मृति में स्थापित इस प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति का वितरण उनकी सुपुत्री श्रीमती इंदरप्रीत कौर द्वारा किया जाता है। इस वर्ष, 50,000 रुपये की छात्रवृत्ति 12 विद्यार्थियों को प्रदान की गई।कार्यक्रम के अवसर पर संस्थान की प्रबंध समिति के सचिव सरदार अवतार सिंह, प्रबंध समिति की ओर से सरदार गुरबचन सिंह कंग, तथा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुखविंदर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। छात्रवृत्ति विभाग के प्रभारी श्री रमन गुम्बर ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।प्राचार्य डॉ. सुखविंदर सिंह ने अपने संदेश में कहा कि यह छात्रवृत्ति योजना विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा कॉलेज के प्रति उनकी निष्ठा एवं मेहनत को प्रेरित करेगी।प्रबंधकीय समिति के सचिव सरदार अवतार सिंह ने अपने संदेश में उल्लेख किया कि शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार की योजनाएं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं एवं प्रो. ए. एस. कोहली की शिक्षकीय विरासत को सजीव बनाए रखने में सहायक हैं।

कॉलेज में प्रतिवर्ष लगभग 300 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं एवं इस योजना के अंतर्गत कुल 40 लाख रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की जाती है। यह योजना विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं अतिथियों ने प्रो. ए. एस. कोहली के अभूतपूर्व योगदान को नमन करते हुए उनकी स्मृति को सजीव रखने का संकल्प लिया।

`जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

बार एसोसियेशन मीटिंग में एडवोकेट एक्ट 2025 के विरोध पर बनी सहमति

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। बार एसोसियेशन श्री गंगानगर की एडवोकेट एक्ट 2025 के सम्बन्ध मे वीरवार को अध्यक्ष जसवन्त भादू की अध्यक्षता मे कार्यकारिणी की मीटिंग आयोजित की गई। बार एसोसियेशन श्री गंगानगर प्रेस सचिव एडवोकेट सुमेश शर्मा ने बताया की बार एसोसियेशन श्री गंगानगर की कार्यकारिणी की बैठक मे एडवोकेट एक्ट 2025 के सम्बन्ध मे बी सी आई, कानून मंत्री व बार कौंसिल राजस्थान को ज्ञापन देने की सभी ने सहमति प्रदान की। सचिव एडवोकेट अशोक सैनी द्वारा इस एक्ट को वकीलो पर बन्दिशकारी बताया।

उपाध्यक्ष विनोद सिवर ने इस एक्ट को एकतरफा करार देते हुए , आगामी रणनीति ज्ञापन के जवाब के बाद तय करने की बात कही।। एडवोकेट रणजीत सारड़ीवाल ने कहाँ की यह कानून वकीलो की एकता को खंडित करने के उद्देश्य से बनाया गया है। एडवोकेट महेंद्र राठौड़ ने कहाँ की वकील हड़ताल या स्थगन केवल आवश्यकता होने पर ही की जाती है। मगर इस तरह का कानून उनके हाथ बांध देगा। अध्यक्ष एडवोकेट जसवन्त भादू ने कहाँ की यह विधेयक वकीलो की अभिव्यक्ति की आजादी, स्वतंत्रता को रोकने और सरकार द्वारा बार के फेसलो मे दखल का रास्ता भर है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसी भी वकील को कोई स्टाइपेंड कोई आवास की सुविधा कोई गुजारा भत्ता पेंशन जैसी सुविधा नहीं दी जाती फिर भी सरकार यह विधेयक थोपगी तो बार संघ के निदेशानु सार आगामी रणनीति बनाकर इसका विरोध किया जायेगा। एडवोकेट सुमेश शर्मा ने कहा कि इस विधायक में कोई एक भी तथ्य वकीलों के हित के लिए नहीं दिख रहा। मीटिंग मे कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट किरनप्रीत, सुनील जोशी,प्रेटी सिंह, अजय शर्मा ,लक्ष्मीनारायण लिंबा,गगनप्रीत सिद्धू,?ुशपिंदर भी उपस्थित रहे।

निराश्रित पशुओं को दलिया वितरण सेवा का समापन

सूरतगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। श्री बाला जी लंगर सेवा समिति सूरतगढ़ द्वारा शुरू निराश्रित पशुओं को गर्म दलिया खिलाने की सेवा का समापन किया गया । श्री बाला जी लंगर सेवा समिति सूरतगढ़ के अध्यक्ष ओम प्रकाश मनचन्दा की देखरेख में 17 दिसंबर से 20 फरवरी तक निराश्रित गोवंश को गम दलिया खिलाने की सेवा पिछले कई वर्षो से लगातार की जा रही है, समिति के सेवादार प्रातः 6.00 बजे शहर के विभिन्न वार्डों में विचरण करने वाले पशुओं को खिलाने की सेवाएं लगातार दे रहे हैं। इस कार्य में समिति सदस्य हीरालाल गुप्ता, कमल सेतिया, दुर्गा प्रसाद मिढ़ा, सूरेश बाघला, नरेश कुमार भूतना, राकेश बाघला (बाबा), गौरव लौटा, पवन अहुजा का विशेष सहयोग रहा।

नि :शुल्क आंखों का जांच शिविर 23 को

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब में मानवता की भलाई के उद्देश्य से संचालित बाबा सोनी आश्रम के संचालक व समाजसेवी बाबा गुरप्रीत सिंह सोनी (रूपाणा वाले) की ओर से पिछले करीब 14 सालों से मुक्तसर तथा श्रीगंगानगर में पिछले चार साल से राजकीय व निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों व उनके परिजनों के लिए निःशुल्क लंगर पहुंचाने की सेवा की जा रही है। इस श्रृंखला में संस्था की ओर से आगामी 23 फरवरी, रविवार को ग्रामीण इलाकों में आंखों के रोग से पीड़ति लोगों की सुविधा के लिए जिला मुख्यालय की सूरतगढ़ रोड स्थित गांव मांझूवास व गांव नरसिंहपुरा के महात्मा गांधी मिडल स्कूल में स्थानीय श्री जगदम्बा अंध विद्यालय द्वारा संचालित नेत्र चिकित्सालय की टीम के सहयोग से ग्रामीण इलाके के लोगों के लिए आंखों की जांच हेतु निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। इस दौरान दोनों गांवों के सरपंच राकेश गोरा व हंसराज सहित संस्था प्रधान अमरिंदर सिंह शिल्पी, जनरल सचिव डॉ. संजीव कुमार चुघ, कोषाध्यक्ष कमल नारंग (पूर्व पार्षद), प्रैस सचिव परविन्दर सिंह व सलाहकार ओम सुखीजा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। शिविर में गौ रक्षा दल के वालंटियर अपनी सेवाएं देंगे। बाबा गुरप्रीत सोनी ने बताया कि शिविर में जांच करवाने वाले मरीजों को संस्था द्वारा निःशुल्क दवाई उपलब्ध करवाई जाएंगी। शिविर में अंध विद्यालय के विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों द्वारा इलाके के लोगों विशेषकर बुजुर्गों की आंखों की सम्पूर्ण जांच निःशुल्क की जाएगी तथा अगले दिन श्री जगदम्बा नेत्र अस्पताल में जरूरतमंद लोगों के निःशुल्क आपरेशन भी किए जाएंगे। बाबा सोनी ने इलाके के लोगों को इस शिविर का अधिक से अधिक फायदा उठाने की अपील की है।

विद्युत विभाग की मनमानी पर जताया विरोध, ऊर्जा मंत्री को ज्ञापन सौंपा

हनुमानगढ़। आर्य समाज हनुमानगढ़ टाउन ने विद्युत विभाग की मनमानी और गैर कानूनी तरीके से विद्युत संबंध विच्छेद करने वाले कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ऊर्जा मंत्री, राजस्थान सरकार के नाम जिला कलेक्टर हनुमानगढ़ को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में बताया गया कि 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवकाश के दिन, शाम 7ः15 बजे, विद्युत विभाग हनुमानगढ़ टाउन के कार्मिकों ने बिना किसी पूर्व सूचना के आर्य समाज की तीन दुकानों का बिजली कनेक्शन काट दिया। यह कार्रवाई सूने बाजार में की गई, जबकि दुकानदार पिछले 35-40 वर्षों से नियमित रूप से बिजली बिलों का भुगतान कर रहे हैं और सभी दुकानों के लिए अलग-अलग मीटर लगे हुए हैं।दुकानदारों को अगले दिन सुबह 27 जनवरी को दुकान खोलने पर इस घटना की जानकारी मिली। जब उन्होंने कनिष्ठ अभियंता से फोन पर संपर्क किया तो उन्हें धमकी भरे लहजे में कहा गया, ÷मैंने कनेक्शन काट दिया है, जहां शिकायत करनी है कर लो।÷ इसके बाद आर्य समाज के प्रधान सुरेन्द्र बैनिवाल के नेतृत्व में 15-20 लोग सहायक अभियंता से मिले, जिन्होंने भी इस कार्रवाई को सही ठहराते हुए कहा कि जहां शिकायत करनी है, करें।इसके बाद अधीक्षण अभियंता कार्यालय में जाकर उनके तकनीकी सहायक रिछपाल चारण से मुलाकात की गई, जिन्होंने कनेक्शन बहाल कराने का आश्वासन दिया। लेकिन इसके बावजूद दो दिन तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हुई, जिससे दुकानदारों को मानसिक और आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ी।28 जनवरी को जिला कलेक्टर को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए प्रबन्ध निदेशक, जोविविएनएल, जोधपुर को ई-मेल के माध्यम से भी शिकायत भेजी गई, परन्तु अधिकारियों की अनदेखी के चलते 72 घंटे बाद ही विद्युत कनेक्शन पुनः चालू हो सका।ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि लगभग 25-26 दिन बीतने के बावजूद दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई नहीं की गई है। आर्य समाज ने इस घटना को न केवल उपभोक्ताओं बल्कि सरकार की साख के लिए भी नुकसानदायक बताया है।आर्य समाज हनुमानगढ़ टाउन ने ऊर्जा मंत्री से मांग की है कि दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की मनमानी और गैरकानूनी कार्रवाई न हो।

पावन धाम मन्दिर के 30वें वार्षिकोत्सव पर श्री मद्भागवत कथा 6 मार्च से, तैयारियां शुरू

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। महावीर कालोनी स्थित श्री रामदूत हनुमान सेवा संस्थान (ट्रस्ट) द्वारा संचालित पावन धाम मन्दिर का 30वां वार्षिकोत्सव आगामी 6 से 14 मार्च, शुक्रवार तक बड़े श्रृद्धा भाव से मनाया जाएगा। इस अवसर पर मन्दिर प्रांगण में अगले माह 6 मार्च से श्री मद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। मन्दिर के प्रधान अशोक परूथी ने बताया कि वार्षिकोत्सव को लेकर मन्दिर परिसर में जनसहयोग से रंग रोगन व साफ सफाई के काम सहित मंदिर दरबार व हॉल में पुराने पंखों को बदलकर समस्त नए पंखें लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। आयोजन के प्रति ट्रस्ट पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों के साथ मन्दिर से जुड़े सेवादारों में भी विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। संस्था सचिव एवं ट्रस्टी टीकम चन्द ने बताया कि

वार्षिकोत्सव के दौरान आगामी 6 मार्च, गुरुवार से 13 मार्च, गुरुवार तक रोजाना सायं 2 बजे से सायं 7 बजे तक भागवत कथा वाचक विनोद शास्त्री श्री मद्भागवत कथा का वाचन करेंगे। इस बीच रोजाना भगवान को सवामणियों का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया जाएगा। कथा की पूर्णाहुति 13 मार्च, गुरुवार सायं 7.15 बजे होगी। अगले दिन 14 मार्च, शुक्रवार प्रातः 8 बजे हवन यज्ञ के उपरांत सुबह 10 बजे मन्दिर में श्री श्याम प्रेम संकीर्तन मण्डल के सानिध्य में फाग उत्सव (फूलों की होली) मनाया जाएगा। कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद दोपहर एक बजे विशाल भण्डारा लगाया जाएगा। आयोजन को सुचारू रूप से सम्पन्न करवाने के लिए ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रेम जुनेजा, कार्यक्रम संयोजक सुरेन्द्र बंसल ठेकेदार, बी.एस.चौहान, विकास गुप्ता, चिंतराम बंसल, ताराचंद छींपा, श्याम सांखला, यशपाल सेठी, विक्रम गोयल व महिला विंग अध्यक्ष वीना चौहान के नेतृत्व में अन्य कार्यकारिणी सदस्य व मन्दिर से जुड़े सेवादार तैयारियों में जुटे हैं।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 81 में से 77 विद्यार्थियों ने सीईटी परीक्षा की उत्तीर्ण

रावतसर (जनमार्ग न्यूज)। वार्ड 20 निवासी रामावतार राठी पुत्र रोशनलाल राठी जो वर्तमान में व्याख्याता इतिहास पद पर राजकीय उच्च

माध्यमिक विद्यालय खेदासरी में कार्यरत है, हाल ही में राजस्थान अधीनस्थ चयन बोर्ड द्वारा जारी सीईटी परीक्षा परिणाम में राठी सर के मार्गदर्शन में सीईटी स्नातक स्तर व सीनियर सेकेंडरी स्तर पर कुल 81 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी जिनमें से 77 विद्यार्थियों ने परीक्षा को उत्तीर्ण किया। विद्यालय समय के बाद रामावतार राठी वर्तमान में भी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे प्रथम श्रेणी व्याख्याता, वरिष्ठ अध्यापक और अध्यापक पद के लिए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दे रहे है । इनके मार्गदर्शन में पूर्व में भी 50 से अधिक विद्यार्थी राजकीय सेवा में चयनित होकर अलग अलग पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे है। संवाददाता के पूछने पर व्याख्याता राठी ने बताया कि उनके जीवन का उद्देश्य अधिक से अधिक बेरोजगार नव युवाओं को राजकीय सेवा में चयन करवाना है, राठी ने बताया कि शिक्षा ही एक मात्र ऐसा माध्यम है कि जिस से इंसान अपने जीवन स्तर को सुधार सकता है।

दो दिवसीय आरटीपी बैक मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान हनुमानगढ़ द्वारा दो दिवसीय आरटीपी बैक मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीविका जिला प्रबंधक आयनन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसेटी निदेशक बिधु शंकर ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक बिधु शंकर ने कहा कि उक्त परीक्षा में समस्त 20 प्रशिक्षणार्थियों ने अव्वल प्रदर्शन कर शत प्रतिशत सफलता प्राप्त की। निदेशक ने बताया कि सभी प्रशिक्षणार्थियों को आरसेटी के सहयोग से वित्तीय संस्थानों द्वारा ॠण दिलवाकर आत्मनिर्भर बनाने में और कियोस्क संचालन करवाने में हर संभव मदद की जायेगी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के कमजोर तबके के लोगों को जोकि बैंकिंग सेवाओं से वंचित है को बैक के उत्पादों व सरकारी योजनाओं की जागरूकता सृजन करना तथा धनराशि का प्रबंधन करना, सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं एवं ॠण परामर्श के मामलों में शिक्षा, सलाह प्रदान करना व लाभ दिलाना बैंक मित्र का मुख्य उद्देश्य है। मुख्य अतिथि राजीविका जिला प्रबंधक आयनान ने बताया कि बैक मित्रों की जिम्मेदारी है कि वह गांव गांव ढाणी ढाणी जाकर महिलाओं को बैकिंग सेवाओं से लाभांवित करे। आईनान ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक ग्राम पंचायत तक बैंक की योजनाओं से आमजन को जागरूक करना है जिसके लिये उक्त प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होने बताया कि बैक की अनेकों योजनाएं है जो जनकल्याणकारी है परन्तु उन योजनाओं की जानकारी से वंचित रहने के कारण आमजन उसका लाभ नही ले पा रहे जिसके लिये बैक द्वारा विशेष तौर पर उक्त प्रशिक्षण का आयोजन किया

बच्चो, बालभूमि में ही हमने तुम्हें दुनिया के कुछ अनोखी डॉल्स म्यूजियम्स के बारे में बताया था। अब हम तुम्हें दुनिया के अलग-अलग देशों की मशहूर डॉल्स के बारे में बता रहे हैं। ये डॉल्स न सिर्फ अपने देश में प्रसिद्ध हैं, बल्कि पूरी दुनिया के बच्चे इन्हें खूब पसंद करते हैं।

मन को लुभाती प्यारी-अनोखी डॉल्स

बच्चो, आज भले ही वीडियो गेम्स और अन्य तरह-तरह के गेम्स की वजहों से बच्चे गुड़ियों से कम खेलते हों, लेकिन जब भी उनकी नजर किसी प्यारी और अनोखी डॉल पर पड़ती है तो वे इसे पाने के लिए मचल उठते हैं। इसके साथ मजे से खेलते हैं।

गुड़ियों की कैसे हुई शुरुआत

गुड़ियों को बनाने की शुरुआत सबसे पहले प्राचीन यूनान (अब ग्रीस) और मिस्र (अब इजिप्ट) में हुई। इसके बाद दुनिया के बहुत से देशों ने अपनी संस्कृति और समाज की परंपराओं, मान्यताओं, रीति-रिवाजों और आस्थाओं के आधार पर तरह-तरह की गुड़ियां बनानी शुरू कीं। आओ, जानते हैं दुनिया की कुछ मशहूर और अनोखी डॉल्स के बारे में-

रूस की मैट्रियोश्का डॉल्स

इन डॉल्स को, नेस्टिंग डॉल या स्टेकिंग डॉल के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें पहली बार बनाने का श्रेय यूलिया बेरेजनित्स्काइया को जाता है। लकड़ी की बनी ये डॉल्स सिंगल नहीं, ग्रुप्स में होती हैं। इन्हें इस तरह बनाया जाता है कि एक के भीतर एक डॉल रखी जा सके। इन्हें खोलकर भीतर से एक से छोटी दूसरी, उससे छोटी तीसरी, इसी प्रकार कई डॉल्स निकाली जा सकती हैं। इस तरह गुड़ियों का एक छोटा-सा परिवार बन जाता है। इन डॉल्स की संख्या 3 से 10 तक होती है, एक के भीतर एक। एक मैट्रियोश्का में 51 गुड़ियों का विश्व रिकॉर्ड भी बन चुका है। इन डॉल्स को 'बाबुश्का' की तरह बनाया जाता है। बच्चो, 'बाबुश्का' शब्द का मतलब है 'बूढ़ी औरत' या 'दादी'। बेहद प्यारी दिखने वाली डॉल मैट्रियोश्का की पोशाक परंपरागत रूसी कृषक महिलाओं जैसी होती है।

ग्वाटेमाला की वरी डॉल्स

ऐसा कहा जाता है कि अगर कोई इंसान चिंताओं से घिरा रहता है, तो वरी डॉल उसे राहत पहुंचाती है। ग्वाटेमाला की यह गुड़िया, घर में उपलब्ध सामग्रियों से बनाई जा सकती है। इसे अकसर रद्दी कपड़ों, पतली छड़ियों, सींक, तार, धागे आदि की सहायता से बनाया जाता है। इसे बनाने का कोई

ग्वाटेमाला की वरी डॉल्स

निश्चित तरीका नहीं है। कई अलग-अलग तरीके से विभिन्न आकार-प्रकार की 'वरी डॉल्स' बनाई जाती हैं। यह डॉल्स प्रायः बच्चों के लिए ही बनाई जाती हैं, ताकि वे रात में आराम से सो सकें। माना जाता है कि तकिए या बिस्तर के पास इस डॉल को रखने से बच्चों को परेशान करने वाली चिंताएं और बुरे सपने गुड़िया में चले जाते हैं, जिससे बच्चों को रात में अच्छी नींद आती है। असल में बच्चों को अपने साथ किसी के होने का एहसास होता है। स्वाभाविक सी बात है, इससे बच्चे अपने आपको सिक्योर फील करते हैं।

जापान की कोकेशी डॉल्स

आमतौर पर जापानी गुड़िया के नाम से जानी जाने वाली कॅकिशी डॉल्स ज्यादातर लंबी होती हैं।

इसके हाथ, पैर अलग से नहीं बनाए जाते। बस ऊपर गोल सिर होता है। जापान के अलग-अलग प्रांतों में बनने और मिलने वाली कोकेशी डॉल्स के चेहरे का आकार, डिजाइन और शैली प्रांत के कल्चर के हिसाब से अलग-अलग होती है। यहां स्त्री, पुरुष और बच्चों की आकृतियों वाले कोकेशी डॉल्स मिलते हैं।

अफ्रीका की नब्देले डॉल्स

नब्देले या नेबेले डॉल का नाम दक्षिण अफ्रीकी जनजाति के छोटे कद के लोगों से लिया गया है। ये

गुड़िया रंग-बिरंगी होती हैं, इन पर मोतियों की कारीगरी भी की जाती है। नब्देले डॉल्स अलग-अलग शैलियों में बनाई जाती हैं। प्रत्येक का एक अलग अर्थ है। कुछ का उपयोग दूसरी दुनिया की शक्तियों से सुरक्षा के लिए किया जाता है। इनमें से कुछ ऐसी डॉल्स होती हैं, जो नई दुल्हन को उपहार स्वरूप दी जाती हैं। इन्हें एक शुभ शगुन के रूप में देखा जाता है। *

बार्बी: सबसे पॉपुलर डॉल

बच्चो, तुम सब की चहेती बार्बी डॉल का निर्माण अमेरिका की बिजनेस वूमन रूथ हैंडलर ने 1959 में किया था। उनका यही उद्देश्य था कि छोटी बच्चियां, इन्हें देखकर अपने सुंदर भविष्य की कल्पना करें। पहली बार्बी डॉल ने चमकीले लाल होंठों के साथ एक स्मार्ट काले और सफेद धारीदार छोटी पोशाक पहनी थी, जो हॉलीवुड एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो से इंस्पायर थी। धीरे-धीरे बार्बी डॉल्स लोगों, खासकर बच्चों के बीच पॉपुलर होने लगी। आज बार्बी दुनिया की सबसे अधिक पसंद की जाने वाली डॉल है।

सड़क के किनारे पेड़ क्यों लगाए जाते हैं?

बच्चो, जब तुम सड़क मार्ग से यात्रा करते हो, तो तुम्हें सड़क के दोनों किनारों पर पेड़ नजर आते होंगे। राजमार्ग यानी नेशनल हाईवे से यात्रा करने के दौरान सड़क के बीचों-बीच डिवाइडर पर भी विभिन्न प्रकार के छोटे पौधे लगे दिखते हैं। क्या तुम जानते हो, सड़क के किनारे या सड़क के बीचों-बीच इस तरह से पेड़ क्यों लगाए जाते हैं? जानो, इसकी खास वजह।

वाहनों का शोर करते हैं कंट्रोल: वाहनों के इंजन, हॉर्न की आवाजें सबको अप्रिय लगती हैं, ये ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाती हैं। सड़क के किनारे या बीच में लगे पेड़, वाहनों की इस आवाज को अवशोषित कर लेते हैं। इस तरह शोर की मात्रा पर काफी कंट्रोल करते हैं। इसके अलावा वाहनों से निकलने वाले धुएं में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर पेड़-पौधे, ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं, जिससे हमारा वातावरण शुद्ध होता है।

कहलाते हैं ग्रीन मफलर: ऐसे पेड़-पौधे, जो सड़क के किनारे या बीचों-बीच लगाए जाते हैं, उनको 'ग्रीन मफलर' कहते हैं। 'मफलर' का अर्थ है शोर को कम करना। दरअसल, ऑटोमोबाइल वाहनों में एक ऐसा यंत्र होता है, जो इंजन द्वारा उत्पन्न ध्वनि को कम करता है, उसे मफलर कहते हैं। अब चूंकि पेड़-पौधे भी वाहनों से निकलने वाली ध्वनियों को कम करते हैं, इसलिए इनको 'ग्रीन मफलर' कहते हैं।

यात्रियों को मिलती है छाया-शीतलता: सड़क के किनारे लगे पेड़, यात्रियों को छाया और शीतलता भी प्रदान करते हैं। सड़क के डिवाइडर के बीच में छोटे-छोटे पौधे लगाने का भी यही कारण है। रात को जब वाहन डिपर का प्रयोग करते हैं तो ये पेड़, प्रकाश का अवशोषण कर लेते हैं और सामने से आ रहे वाहन चालक की आंखों में पड़ने वाली चमक को भी हल्का कर देते हैं। इसके अलावा खास बात यह है कि हरा रंग, हमारी आंखों को आराम देता है। इस वजह से हरियाली के कारण सड़क यात्रा के दौरान चालक और यात्रियों की थकावट कम हो जाती है और उनको आराम मिलता है। पेड़-पौधों की हरियाली से सड़कें खूबसूरत दिखती हैं। *

मीठी-मीठी सात कहानियां

बच्चो, कुछ समय पहले ही कहानियों की एक नई किताब 'कार्टून फिल्म का कमाल' छपकर आई है। इसमें कुल सात कहानियां हैं। सातों कहानियां बहुत मीठी-मीठी हैं। मीठी इसलिए क्योंकि ये मनोरंजन तो करती ही हैं, सीख भी देती हैं। 'अनूठी दोस्ती' क्रिकेट खेलने के शौकीन बच्चे अग्रिम की कहानी है, जिसे किताबें पढ़ना अच्छा नहीं लगता। लेकिन फिर अग्रिम की दीदी कैसे किताबों से उसकी दोस्ती करवा देती है, यह इस कहानी में पढ़ सकते हो। कुछ इसी तरह पढ़ने और किताबों के महत्व को बताती है, संकलन की आखिरी कहानी 'दीदी की कविता।' 'कार्टून फिल्म का कमाल' एक ही क्लास में पढ़ने वाले अनंत और संवेदन की कहानी है, जो दौड़ प्रतियोगिता में फर्स्ट आने के लिए गलत तरीका अपनाने की सोचते हैं। फिर कैसे एक कार्टून फिल्म देखकर संवेदन और उसके दोस्तों का मन बदलता है, इसे बहुत सरल ढंग से इस कहानी में बताया गया है। 'फर्स्ट आने का सीक्रेट' कहानी में तुम पढ़ सकते हो कि एग्जाम में अच्छे मार्क्स लाने के लिए हैंड राइटिंग का अच्छा होना कितना जरूरी है! फास्ट फूड खाने से क्या परेशानियां हो सकती हैं, इसे तुम 'सुधर गया अंकित' कहानी में पढ़ सकते हो। 'अलादीन का चिराग' नन्ही गुनगुन की कहानी है, जो बहुत अनोखे ढंग से अपने मम्मी-पापा की आपसी नाराजगी को दूर कर देती है। 'शैतानी का पिटारा' नटखट नीशु और उसके छोटे भाई ईशु की कहानी है। नीशु अपने भाई को प्यार तो बहुत करता है लेकिन उसे परेशान भी करता है। कैसे उसकी यह आदत छूटती है, इसे जानने के लिए तुम्हें यह कहानी पढ़नी होगी। *

घोड़े को यह बात जरा भी रास नहीं आई कि वह जहां घास चरता है, वहीं पर भैंस भी घास खाए। उसने भैंस के सामने अपनी शक्ति प्रदर्शित करनी चाही, लेकिन भैंस ने जो कर दिखाया, घोड़ा देखता रह गया। ऐसा क्या करिश्मा किया भैंस ने जो घोड़े की शक्ति फिस्स हो गई?

घोड़ा और भैंस

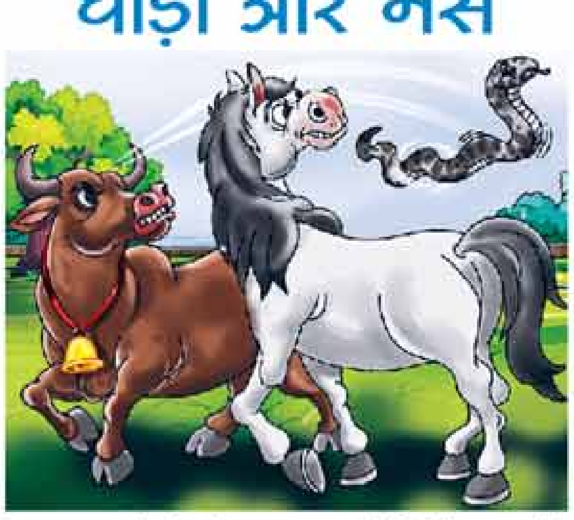

जहां घोड़ा घास चरता था, आज वहां पर एक भैंस भी आ गई थी। यह देखकर घोड़ा तमतमा उठा। वह सोच रहा था कि जिस मैदान पर उसका एकछत्र राज हुआ करता था, उस पर अब इस भैंस की भी हिस्सेदारी होगी। गुस्से में घोड़े के नथुने फूल उठे। सिर गरम होने लगा। टप-टप, टप-टप चलता हुआ, भैंस के पास पहुंचकर उसने कड़क आवाज में पूछा, 'तुम यहां कैसे?'

भैंस के गले में घंटी बंधी थी। जैसे ही उसने सिर उठाया, घंटी बज उठी। घोड़े को देखकर उसे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। उसने एक नजर घोड़े पर डाली, फिर घास चरने लगी। घास चरते हुए ही भैंस बोली, 'तुम्हारे ही मालिक ने मुझे भी खरीदा है। कल ही तो वो मुझे बाजार से लेकर आए हैं। अब मैं भी तुम्हारे साथ यह जगह साझा करूंगी।'

यह सुनकर घोड़े को थोड़ी हैरत जरूर हुई। लेकिन वह उससे क्या कहे, इस सोच में पड़ गया। अपने मालिक पर भी उसे गुस्सा आ रहा था। जब उसे कुछ समझ न आया तो वह भारी आवाज में भैंस से बोला, 'दो-दो लात कर लो, जो जीता वह यहां रहेगा।' घोड़े को पता था कि उसकी लात के आगे भैंस टिक नहीं पाएगी। पहले तो भैंस ने उसकी बातों में कोई दिलचस्पी न ली, लेकिन जब यह देखा कि वह अभी वहीं खड़ा है तो उसने अपना सिर उठाया। गले की घंटी बज उठी। इत्मीनान से उसने घोड़े को देखा। फिर ठहरकर बोली, 'दो-दो सींग करो, जो जीता वह यहां रहेगा।' भैंस की बात सुनकर घोड़ा सकते में आ गया, क्योंकि घोड़े के तो सींग ही नहीं होती। कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। घोड़ा और भैंस एक-दूसरे को देखते रहे।

तभी वहां पर एक काला सांप आ गया। वह फन फैलाकर फुफकार रहा था। घोड़े को देखकर बोला, 'मैं दो-दो दांत करूंगा। कल मैं तुम्हारे पैरों से कुचलते-कुचलते बच गया था, अब देखो तुम मेरी ताकत।'

सांप तेजी से रेंगता हुआ घोड़े के पैरों की तरफ लपका ही था, तभी भैंस ने अपनी सींग से उसे उठाकर हवा में उछाल दिया, बहुत दूर। भैंस के गले में पड़ी घंटी जोर से बज उठी और देर तक बजती रही।

घोड़े का दिल जोर-जोर से धड़क रहा था। थोड़ी दूर तक तो सांप हवा में दिखा फिर सबकी आंखों से ओझल हो गया। घोड़ा वहां खड़ा सोचता रह गया कि आखिर भैंस ने उसे बचाया क्यों?

उधर भैंस हरी-हरी घास चरने में फिर से मस्त हो गई। दो-दो लात और दो-दो सींग की बात भी उसी सांप के साथ चली गई थी। *

मंदिर के बाहर जब सुभाष को अपनी चप्पल नहीं मिली तो उसने किसी दूसरे व्यक्ति की चप्पल पहन कर जाने की सोची, लेकिन उसके दोस्त आलोक ने रोका, बोला कि वह ऐसा ना करे, यह तो चोरी है। क्या सुभाष ने अपने दोस्त की बात मानी, क्या उसकी खोई चप्पल मिली?

सही-गलत

सुभाष अपने दोस्त आलोक के साथ मंदिर में भगवान के दर्शन करके जब बाहर आया तो सीढ़ियों के पास रखी उसकी चप्पल गायब थी। सुभाष ने देखा उसकी चप्पल की जगह उसी तरह की डिजाइन और सेम साइज वाली दूसरी चप्पल पड़ी थी, सिर्फ उस चप्पल का कलर अलग था। सुभाष गुस्से से बोला, 'पता नहीं किसने मेरी चप्पल चुरा ली?'

सुभाष की बात सुनकर आलोक तुरंत बोला, 'मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि चप्पल स्टैंड पर चप्पल रखते हैं। मैंने तो रखी लेकिन तुमने दो रुपए बचाने के चक्कर में मेरी बात नहीं मानी।'

'यार, जब देखो तब तुम मेरी खिंचाई ही करते रहते हो। यह अच्छी बात नहीं है।' सुभाष खीझे स्वर में बोला।

'तुम गलत बोल रहे हो। मैं हमेशा तुम्हारे हित के लिए ही बोलता हूं।' आलोक बोला।

आलोक की बात अनसुनी करते हुए सुभाष ने अपना इरादा बताया, 'छोड़ो यार! यहां रखी चप्पल को पहन कर अब चलता हूं।'

आलोक ने सुभाष को रोका, 'ऐसा ना करो। थोड़ी देर प्रतीक्षा करते हैं। हो सकता है कोई हड़बड़ी में तुम्हारी चप्पल पहन कर चला गया हो और बदलने के लिए कुछ देर में लौट आए।'

'आलोक हर काम के लिए तुम्हारी रोक-टोक मुझे पसंद नहीं। मेरी बात मानना तुम सही नहीं समझते हो। आखिर तुम मेरे मित्र हो या शत्रु?' सुभाष के स्वर में नाराजगी थी।

आलोक ने अपने दोस्त सुभाष को फिर से समझाने की कोशिश की। उसने प्यार से समझाते हुए कहा, 'मैं तुम्हारा दोस्त हूं, शुभचिंतक हूं, इसलिए तुम्हें गलत काम करने से टोकता हूं। चलो, थोड़ी देर के लिए मान लेते हैं कि तुम्हारी चप्पल चोरी हो गई है। लेकिन उसके बदले में किसी और की चप्पल पहन कर चल देना, चोरी ही कहलाएगी।'

आलोक की इस बात के आगे सुभाष के पास कोई जवाब नहीं था। वह मन मारकर चप्पल ले जाने वाले की प्रतीक्षा करने लगा। थोड़ी देर बाद सुभाष ने देखा, एक नौजवान उसकी चप्पल पहने तेज कदमों से मंदिर की ओर आ रहा है। वहां रखी अपनी चप्पल पहचान कर खुश हुआ। वह सुभाष की चप्पल छोड़कर, अपनी चप्पल पहन कर चला गया।

आलोक ने मुस्कुराते हुए सुभाष की ओर देखा। उसके चेहरे पर शर्मिंदगी के भाव थे। *

रंग भरो

निरंकारी मिशन के 'प्रोजेक्ट अमृत' का तृतीय चरण

स्वच्छ जल, स्वच्छ मन की ओर एक सार्थक कदम

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' परियोजना के तृतीय चरण का भव्य शुभारंभ रविवार, 23 फरवरी 2025 को परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सानिध्य में यमुना नदी के छठ घाट, आई.टी.ओ., दिल्ली पर किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है, ताकि भावी पीढि?ों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके।

संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'प्रोजेक्ट अमृत' का शुभारंभ किया था। इस दिव्य पहल का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण को मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है। नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण को समर्पित इस महाअभियान ने अपने पहले दो चरणों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। इसी प्रेरणा के साथ, इस वर्ष तृतीय चरण को और अधिक व्यापक, प्रभावी एवं दूरगामी दृष्टि से आगे बढ़ाया गया है, ताकि यह

अभियान निरंतर विस्तार पाकर समाज में जागरूकता, सेवा और समर्पण की एक सशक्त लहर उत्पन्न करे।

संत निरंकारी मंडल के सचिव आदरणीय श्री जोगिंदर सुखीजा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वृहद अभियान देशभर में 27 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 900 से अधिक शहरों में 1600 से भी अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। इस महाअभियान की यह अभूतपूर्व व्यापकता इसे एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करेगी, जिससे जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश और अधिक प्रभावशाली रूप से जन-जन तक पहुंचेगा।

दिल्ली में इस अभियान को पूर्व की भांति 'आओ संवारें, यमुना किनारे' के प्रेरक संदेश के साथ आयोजित किया जा रहा है। संत निरंकारी मिशन के लगभग 10 लाख समर्पित स्वयंसेवक के साथ-साथ इंद्रप्रस्थ, जे.एन.यू. और दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न संस्थानों के युवाओं के साथ मिलकर जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे।

इसी कड़ी में 23 फरवरी 2025, रविवार को प्रात- 7.30 बजे संत निरंकारी सत्संग भवन, ब्रांच श्रीगंगानगर द्वारा मुख्य वाटर वर्क्स, नजदीक डीएवी स्कूल, श्रीगंगानगर में इस अभियान को आयोजित किया जाएगा तथा जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। गीतों की संगीतमय प्रस्तुति, समूह गान, जागरूकता सेमिनार और सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से जल जनित रोगों और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा रही है। यह पहल केवल सफाई तक सीमित न रहकर आज की युवा पीढ़ी को समाज कल्याण की दिशा में सकारात्मक कार्य करने के लिए प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम बनेगी।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज भी अक्सर यही प्रेरणा देते हैं कि हम इस धरती को और भी अधिक सुंदर स्वरूप में छोड?र जाएं। यह अभियान उसी संकल्प का एक साकार स्वरूप है, जो समाज को जागरूकता, सेवा और समर्पण की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

अश्व मेले के छठे दिन घोड़ों की दौड़ प्रतियोगिताओं में जोश, विजेताओं को किया सम्मानित

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। अश्व मेले के छठे दिन घुड़सवारी प्रतियोगिताओं में घोड़ा पालकों और दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में घोड़ों की फुर्ती, चाल और दमखम देखने को मिला। इस दौरान बड़ी चाल और छोटी चाल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से आए घुड़सवारों और घोड़ा पालकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अश्व मेले की आयोजक समिति के अध्यक्ष रिछपाल सिंह मान ने बताया कि बड़ी चाल प्रतियोगिता में कई नामी घोड़ों ने हिस्सा लिया और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। इस स्पर्धा में हरिंद्र सिंह बिला का घोड़ा गोल्डी गोल्डन प्रथम स्थान पर रहा, जबकि रूबी दिलराज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। राजा सुरेवाला के घोड़े पारस ने तृतीय स्थान हासिल किया, सुमित सहारण का रूबी चौथे स्थान पर रहा, और आजाद सिंह का मनी पांचवें स्थान पर रहा।

विजेता घुड़सवारों को नगद पुरस्कार व ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले घोड़े को 5100 रुपये नगद व ट्रॉफी, द्वितीय स्थान पर रहे घोड़े को 4100 रुपये नगद व ट्रॉफी, तृतीय स्थान पर रहने वाले घोड़े को 3100 रुपये नगद व ट्रॉफी, चौथे स्थान पर रहे घोड़े को 2100 रुपये नगद व ट्रॉफी, और पांचवें स्थान पर रहे घोड़े को 100 रुपये नगद व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मेले में उपस्थित दर्शकों ने प्रतियोगिता में घोड़ों की फुर्ती और चाल की सराहना की। इस अवसर पर कई अश्व प्रेमी, पशु पालक और घुड़सवारी के शौकीन लोग मौजूद रहे। आयोजकों के अनुसार, इस तरह के आयोजन न केवल पशु प्रेम को बढ़ावा देते हैं, बल्कि घुड़सवारी की परंपरा को भी मजबूत करते हैं। अश्व मेले का समापन शुक्रवार को होगा, जिसमें कई रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें घुड़सवारी से संबंधित अन्य इवेंट शामिल होंगे।

महाकुंभ जा रही महिला का सिर कटकर सड़क पर गिरा

जनमार्ग न्यूंज

वाराणसी। वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर महाकुंभ जा रहे कर्नाटक के श्रद्धालुओं की कार खड़े ट्रक से टकरा गई। पति-पत्नी समेत 6 लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि महिला का सिर कटकर सड़क पर जा गिरा। कार पूरी तरह डैमेज हो गई।

सभी सवारियां गाड़ी में फंस गईं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। हादसा शुक्रवार सुबह जीटी रोड पर मिर्जामुराद के पास हुआ। क्रूजर जीप में ड्राइवर समेत 11 लोग सवार थे। परिवार कर्नाटक का रहने वाला था। गाड़ी भी कर्नाटक नंबर की थी।पुलिस ने बताया कि हाईवे पर ट्रक खड़ा था। सुबह 7 बजे पीछे से तेज रफ्तार क्रूजर जीप टकराई। पुलिस ने कहा कि क्रूजर की स्पीड तेज थी। आशंका है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। ड्राइवर के दूसरी तरफ वाला हिस्सा ट्रक में घुस गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि अगला हिस्सा पूरा ट्रक से चिपक गया। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों और मृतकों को कार से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन वह इतनी बुरी तरह फंसे हुए थे कि बाहर नहीं निकाल पाए। थोड़ी देर बाद क्रेन को बुलाया गया। ट्रक और क्रूजर को अलग किया गया। फिर क्रूजर को गैस कटर से काटकर घायलों को बाहर निकाला। करीब एक घंटे से ज्यादा का समय रेस्क्यू में लगा।

नई भर्तियां करने की मांग को हड़ताल की

- तीन चौथाई से अधिक सदस्य संख्या के मद्देनजर एआईआईईए यूनियन को मान्यता प्रदान करने की मांग भी उठाई

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा प्रथम व द्वितीय, श्रीगंगानगर में बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ (एआईआईईए) के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर बीमा कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार हड़ताल की। नॉर्दन जॉन इंश्योरेंस एम्पलाइज एसोसिएशन शाखा द्वितीय श्रीगंगानगर अध्यक्ष कृष्ण राम व राजकुमार गोस्वामी ने बताया कि एक घंटे तक (दोपहर 12.30 से 1.30 बजे तक) बीमा कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार हड़ताल करके केन्द्र सरकार व भारतीय जीवन बीमा निगम के उच्च प्रबंधन से मांग की कि अविलम्ब वर्ग 3 एवं 4 में भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ की जाए तथा 80 प्रतिशत से अधिक सदस्यता से साथ एलआईसी में भारी बहुमत वाली एकमात्र यूनियन अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ (एआईआईईए) को मान्यता प्रदान की जाए। अपनी मांगों के समर्थन में बीमा कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की तथा मांगों के निराकरण तक आंदोलन को जारी रखने की घोषणा की। इस अवसर पर नॉर्दन जॉन इंश्योरेंस एम्पलाइज एसोसिएशन शाखा प्रथम व द्वितीय तथा अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ (एआईआईईए), श्रीगंगानगर पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

बच्चे को गोली मारने वाला आरोपी नीतीश मुठभेड़ में घायल

मुंगेर। मुंगेर में पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ होने का मामला सामने आया है। इसमें आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया है। पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने जानकारी देते हुए कहा कि 20 फरवरी की शाम पटना पुलिस ने नीतीश को गिरफ्तार कर धरहरा थाने को सौंपा था। इसके बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम हथियार को बरामद करने गई थी। वहां पर टीम को चकमा देकर वह फरार हो गया था। इसके बाद लगातार उसकी खोज की जा रही थी।

इस बीच शुक्रवार की सुबह चार बजे पुलिस को धरहरा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव में आरोपी के छिपे होने की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद टीम को रवाना किया गया। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी और एक गोली पुलिस की गाड़ी में जा लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की और एक गोली आरोपी के दाएं पैर में लग गई। इससे वह घायल हो गया। टीम ने फिर उसको पकड़ कर सदर अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती कराया। सपी सैयद इमरान मसूद ने आगे कहा कि आरोपी नीतीश कुमार ने 7 जनवरी को एक बच्चे को गोली मारी थी। उसने बच्चे को सिगरेट लाने के लिए कहा था। जब उसने मना किया तो 8 साल के अंशु कुमार को गोली मार दी थी। इससे वह बुरी तरह घायल हो गया है। उसका इलाज चल रहा है। तब से उसकी खोज जारी थी। बता दे कि अपराधी और धरहरा थाने की पुलिस के बीच मुठभेड़ में पुलिस को कोई क्षति नहीं पहुंची है।

विधायकों ने सिंचाई मंत्री रावत से की मुलाकात

- किसानों को गंगनहर, इंदिरा गांधी नहर परियोजना और भाखड़ा नहर से पूर्ण जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की रखी मांग

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। सूरतगढ़ विधायक डूंगर राम गेदर, विधायक विनोद गोठवाल, विधायक रूपिंद्र सिंह कुन्नर एवं विधायक सोहनलाल ने संयुक्त रूप से सिंचाई मंत्री सुरेश सिंह रावत जी से मुलाकात की। इस दौरान गंगनहर, इंदिरा गांधी नहर परियोजना और भाखड़ा नहर के माध्यम से किसानों को फसल पकाव के इस महत्वपूर्ण समय पर पूर्ण एवं निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। विधायकों ने मंत्री महोदय को अवगत कराया कि क्षेत्र की फसलें पकाव की अवस्था में हैं और सिंचाई जल की सख्त आवश्यकता है। यदि समय पर पर्याप्त जल आपूर्ति नहीं हुई तो किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने नहरों की सफाई, रखरखाव और

जल प्रबंधन प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए शीघ्र कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

विधानसभा में उठाई किसानों की आवाज: विधायक डूंगर राम गेदर ने किसानों की जल संकट की गंभीर समस्या को राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही के दौरान प्रक्रिया के नियम 50 के तहत स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। गेदर ने कहा कि क्षेत्र की फसलें पकाव की अवस्था में हैं और किसानों को सिंचाई जल की सख्त आवश्यकता है। यदि समय पर पर्याप्त जल आपूर्ति नहीं हुई, तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। गेदर ने कहा, किसानों की मेहनत और आजीविका की रक्षा के लिए सरकार को तत्काल प्रभाव से सिंचाई जल उपलब्ध कराना होगा। गंगनहर, इंदिरा गांधी नहर परियोजना और भाखड़ा नहर से समय पर जल आपूर्ति सुनिश्चित करना किसानों के हित में आवश्यक है।

मंत्री सुरेश सिंह रावत का आश्वासन: सिंचाई मंत्री सुरेश सिंह रावत जी ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गंगनहर, इंदिरा गांधी नहर परियोजना और भाखड़ा नहर से किसानों को फसल पकाव के इस महत्वपूर्ण समय पर पूरा और समयबद्ध पानी उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम तुरंत उठाए जाएंगे। साथ ही, मंत्री महोदय ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जल वितरण प्रणाली को सुदृढ़ और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

पूर्णिया में सुसाइड के प्रयास का लाइव वीडियो

पूर्णिया। पूर्णिया में सुसाइड के प्रयास का लाइव वीडियो सामने आया है। घटना सौरा नदी की है, जहां गुरुवार देर शाम सुसाइड अटेम्प्ट से पहले ल?की फोन पर किसी से चीखते-चिल्लाते हुए बात कर रही थी कि %तुम्हारी इतनी हिम्मत कैसे हो गई कि तुमने मुझे धोखा दिया%। यह कहकर लड़की ने फोन रख दिया और नदी के बीचों बीच जाकर सुसाइड करने लगी। वहीं नदी किनारे खड़े एक शख्स ने इसका वीडियो बना लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लड़की के नदी में डूबते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। वहां खड़े लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। गोताखोरों ने सौरा नदी में छलांग लगाई तब जाकर उसकी जान बच सकी। 20 सेकेंड का यह वीडियो पूर्णिया सिटी स्थित सौरा नदी का है। वीडियो में एक लड़की नदी के बीचों-बीच खड़ी दिख रही है। कुछ ही सेकेंड बाद लड़की हाथ में रखा मोबाइल फोन और चाबी फेंक देती है। ऐसा करते देख वहां खड़े लोग उसे आवाज देकर पानी से बाहर निकलने को कहते हैं।

बाढ़, सूखे की भविष्यवाणी में मदद करेगा इसरो

- साइंटिस्ट नारायणन छत्तीसगढ़ के किसानों को देंगे गाइडेंस, पीटी उषा बोलीं-ओलिंपिक लेवल की ट्रेनिंग खिलाड़ियों को मिलेगी

रायपुर (जनमार्ग न्यूज)। छत्तीसगढ़ स्पोर्ट्स और एग्रीकल्चर रिसर्च पर फोकस करने जा रहा है। स्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट इसरो और इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन के एक्सपर्ट जल्द छत्तीसगढ़ आएंगे। यहां के किसानों और युवाओं को इन दोनों ही एजेंसी के एक्सपर्ट और साइंटिस्ट खास गाइडेंस देंगे। इसरो की मदद से बाढ़, सूखे की भविष्यवाणी में मदद मिलेगी। सैटेलाइट इमेजरी, त्वढ्ढस् तकनीक और डेटा विश्लेषण के जरिए कई क्षेत्रों का रिसर्च होगा।

सीएम साय ने दिल्ली दौरे के दौरान इसरो के डॉक्टर वी नारायणन और इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी ऊषा से काफी देर तक चर्चा की। प्रदेश में खेल, कृषि और रिसर्च एक्टिविटीज को अपग्रेड करने पर सरकार का फोकस है। इसी कड़ी में इन दो बड़ी संस्थाओं की मदद सरकार लेने जा रही है। साय दिल्ली में सीएम रेखा गुप्ता के शपथ-ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे।

इसरो के साइंटिस्ट और अध्यक्ष डॉ वी नारायणन ने बताया कि राज्य में खेती के लिए मिट्टी की टेस्टिंग, जल स्रोतों का सटीक आकलन, बाढ़ और सूखे की भविष्यवाणी और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए डेटा-संचालित निर्णय लेने का सिस्टम डेवलप किया जाएगा। इसरो की मदद से छत्तीसगढ़ को कृषि, आपदा प्रबंधन, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग, पर्यावरण एवं वन संरक्षण सहित अन्य क्षेत्रों में फायदा मिलेगा। जंगलों की निगरानी की नई व्यवस्था हो पाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के नए युग में इसरो का सहयोग राज्य को भविष्य की तकनीकों से सशक्त बनाएगा, जिससे कृषि, पर्यावरण, जल प्रबंधन और आपदा न्यूनीकरण जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चेयरमैन वी. नारायणन ने मुख्यमंत्री के साथ छत्तीसगढ़ में सैटेलाइट आधारित सर्वेक्षण, भू-मानचित्रण , प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्मार्ट एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर बात की। भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी. उषा ने छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों के स्पेशल गाइडेंस देने के लिए भारतीय ओलिंपिक संघ की ओर से एक विशेष प्रतिनिधिमंडल भेजने की बात कही।

उन्होंने कहा कि इस दल में विभिन्न खेलों के अनुभवी कोच और विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो स्थानीय खिलाड़ियों को ओलिंपिक स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए प्रशिक्षित करेंगे और उनकी खेल तकनीकों को निखारने में सहायता करेंगे।

पीटी उषा ने इस बात पर जोर दिया कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, और यदि उन्हें सही मार्गदर्शन और संसाधन मिले तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। सीएम साय ने इसे लेकर कहा- छत्तीसगढ़ सरकार और भारतीय ओलिंपिक संघ के बीच यह साझेदारी राज्य में खेलों के विकास को नया आयाम देगी।

शेषांश ....

अनियमितताओं व

बेवजह परेशान किया जा रहा है इन सभी मामलों को लेकर आज भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मुकेश पुरोहित के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता धानमंडी स्थित भाजपा नेता युधिष्ठिर कुमार जग्गू के प्रतिष्ठान पर इकट्ठा हुए और वहां से कांग्रेस बोर्ड के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नगर पालिका पहुंचे जहां एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा नेताओं द्वारा इस कांग्रेस बोर्ड को निकम्मा और नाकारा बताया गया भाजपा नेता राजकुमार सचदेवा ने अपने संबोधन में नगर पालिका अध्यक्ष पर तीन बच्चों के तथ्यों को छुपाकर अध्यक्ष पद पर कब्जा होने का सीधा आरोप लगाया तीन संतान होने के बाद भी इस पद पर बने रहना अपराध की श्रेणी में है उन्होंने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि इस मामले की जांच कर नगर पालिका अध्यक्षा को तुरंत प्रभाव से निलंबित किया जाए भाजपा नेता सोहन छीनवाल ने कहा कि ऐसा निकम्मा बोर्ड ना तो आया ना कभी आएगा उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का मलाल है कि मैं इस निकम्मे बोर्ड का सदस्य हूं जो भ्रष्टाचार में पूरी तरह से संलिप्त हे और बिना कार्य किया सिर्फ कागजों में ही बिल बनाकर सीधे ब्लाइंड घपले करता रहा जबकि हम विपक्ष में बैठकर जोरदार आवाज बुलंद करते रहे लेकिन तब कांग्रेस की सरकार थी और कांग्रेस का ही बोर्ड होने के कारण हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई भाजपा नगर मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष चिमनलाल धूड़िया ने भी इस निकम्मे बोर्ड को कोसते हुए राज्य सरकार को अनुरोध किया कि इसे तुरंत प्रभाव से निलंबित किया जाए वहीं भाजपा नेता युधिष्ठिर कुमार जग्गू ने मांग करते हुए कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष अधिशासी अधिकारी के खिलाफ बवंडर बनाने की बजाय अपने गिरेबान में झांके और इस कार्यकाल के पिछले वर्षो को देखें जब को राज्य में कांग्रेस की सरकार थी तब इन्होंने अपने पार्षदों को प्रधानमंत्री आवास योजना में कई कांग्रेस के पार्षदों को लाभ पहुंचाने के लिए एक ही मकान के पट्टे में तीन से चार आवास योजना का लाभ दिया उन्होंने इसकी जांच करने की मांग की वहीं कृषि उपज मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष बलविंदर सिंह ग्रेवाल ने चेतावनी भरे शब्दों में कहा की नगर पालिका में अध्यक्ष महिला है जो हम सबके लिए सम्माननीय हे लेकिन उनके पति द्वारा नगरपालिका में हस्तक्षेप करते हुए बहुत से ऐसे कार्य किए गए जो अपराध की श्रेणी में आते हैं लेकिन उसका खामियाजा आपको भुगतना पड़ सकता हे इसलिए आपको इन बातों पर गौर करना चाहिए व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष अनिल मोहता ने भी इस बोर्ड क्रियाकलापों पर रोष जताया। नगर पालिका में हुई सभा के पश्चात सभी भाजपा कार्यकर्ता उपतहसील कार्यालय पहुंचे जहां मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सोपा गया। जहां बोलते हुए भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मुकेश पुरोहित ने आमजन से आने वाले नगरपालिका चुनावों में भाजपा बोर्ड बनाने का आग्रह कियाओर वहां पहुंचे सभी कार्यकर्ताओं का तहदिल से शुक्रिया अदा किया।

इस मौके पर भाजपा के पार्षद राजेंद्र चराया, रमेश जग्गा, पार्षद तुलसीदास जोशी, पार्षद पति रणजीत सिंह भट्टी, सतवंत सिंह सत्ता, बूथ अध्यक्ष विनोद पुरोहित, गगन मंडेर, सुनील धूड़िया, बलजिंदर सिंह बिल्ला, चंदन अरोड़ा, राजा महावर, रमाकांत शर्मा, तुलसीदास जोशी सहित, किसान मोर्चा अध्यक्ष अमरेन्द्र सिंह ढिल्लों, कमल सुरलिया,गुरविंदर बराड़, अशोक बजाज, छिंद्रपाल मेहरा, तीर्थ सांपला, रवि कुक्कड़ , राजेंद्र मुंजाल, जसविंदर ढिल्लों कुशाल चावला, दीपक मौर्य, हेतराम मेघवाल, जालंधर सिंह, गिरधारी महीया, सीताराम बिरथीलीया सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झारखंड बोर्ड पेपर लीक, स्कूल संचालक समेत दो गिरफ्तार

एक भाई रेलवे में तो दूसरा है सरकारी शिक्षक, एक छात्र हिरासत में

कोडरमा। जैक बोर्ड पेपर लीक मामले की जांच अब तेज हो गई है। कोडराम में शुक्रवार को पुलिस ने स्कूल संचालक प्रशांत कुमार साव और एक छात्र आशीष साव को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रशांत जामु में प्रज्ञा उच्च विद्यालय के नाम से एक विद्यालय चलाता है। साथ ही वह यूट्यूब पर 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को तैयारी करवाता है। पुलिस जांच में सामने आया है कि प्रशांत का रिश्तेदार चतरा निवासी प्रिंस साव ने आशीष को विज्ञान के प्रश्नपत्र भेजे थे, जिसे आशीष ने प्रशांत को भेज दिया था। इसके बाद प्रशांत ने इस प्रश्नपत्र को अपने यूट्यूब चैनल और वाट्सअप ग्रुप पर डाल कर यह दावा किया था कि यही प्रश्न जैक बोर्ड के विज्ञान की परीक्षा में आने वाला है। मामले की छानबीन के लिए भास्कर की टीम गिरफ्तार प्रशांत के घर पहुंची। उसकी मां प्रमिला देवी ने बताया कि प्रशांत प्रज्ञा उच्च विद्यालय चलाता है। यह विद्यालय उसके पिता प्रकाश साव द्वारा ही शुरू किया गया था। प्रकाश उर्फ जीतू मिर्गी की बीमारी से भी ग्रसित है। उनके तीन बेटे हैं, जिसमें सबसे बड़ा प्रशांत है और उसके दो अन्य बेटे में एक रेलवे में जॉब करता है। जबकि तीसरा बेटा सरकारी शिक्षक है। प्रशांत के पिता प्रकाश साव मरकच्चो प्रखंड से भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं।

इधर, जिस वाट्सअप ग्रुप पर 350 रुपए में प्रश्नपत्र बेचने की बात सामने आई है, उसका एडमिन मरकच्चो (कोडरमा) निवासी प्रिंस राणा है। वो मूक-बधिर है। जांच में यह बातें भी सामने आई कि प्रिंस का मोबाइल कुछ दिनों पहले ही गुम हो गया था और जिस नंबर से प्रश्नपत्र वायरल करने वाला वाट्सअप ग्रुप चल रहा था, उस सिम को प्रिंस ने ना तो ब्लॉक करवाया था और न ही इसकी सूचना पुलिस को दी थी।

प्रिंस राणा खुद भी इस साल 10वीं बोर्ड की परीक्षा देने वाला था। वह अपने पिता इंद्रदेव विश्वकर्मा वड़ मां आरती देवी के साथ बेंगलुरु में इलाज के लिए गया हुआ है। वहां से कोडरमा आने के लिए उसकी ट्रेन छूट जाने के कारण वह परीक्षा नहीं दे पाया। उसके घर पर उसका छोटा भाई गौतम व उसकी दादी मौजूद है।

सहकारिता मंत्री ने किया वार्षिक कार्ययोजना एवं कैलेण्डर का विमोचन

❏ अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान पूरे वर्ष आयोजित होंगी गतिविधियां ❏ सशक्त होगा सहकारी आन्दोलन, 'सहकार से समृद्धि' का संकल्प होगा साकार ❏ अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता के माध्यम से किया जाए लाभान्वित : सहकारिता मंत्री

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम कुमार दक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के दौरान राज्य में सहकारी आन्दोलन को अधिक मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता बढ़नी चाहिए ताकि लोगों का विश्वास सहकारिता में कायम रहे। सहकारिता मंत्री गुरुवार को नेहरू सहकार भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष से संबंधित प्रदेश की वार्षिक कार्ययोजना एवं कैलेण्डर के विमोचन के बाद राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश भर से सहकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारी वीडियो कॉफ्रेंस से माध्यम से शामिल हुए। श्री दक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है, लेकिन देश में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में वर्ष 2021 से ही कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत 54 पहलों के माध्यम से देश में सहकारी सेक्टर सशक्त हो रहा है। जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र का योगदान 40 प्रतिशत हो, इसके लिए सभी को अपनी भूमिका समझते हुए कर्तव्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन करना होगा। श्री दक ने कहा कि राज्य सरकार सहकारिता सेक्टर को प्राथमिकता दे रही है। राज्य बजट में सहकारिता से संबंधित कई ऐतिहासिक घोषणाएं की गई हैं, जिनसे प्रदेश में सहकारी आन्दोलन को और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बजट मे ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण का दायरा बढ़ाते हुए 35 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये के ऋण वितरित करने की घोषणा की गई है। साथ ही, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना का भी दायरा बढ़ाकर 2.50 लाख गोपालक परिवारों को ब्याज मुक्त ऋण देने की घोषणा की गई है। श्री दक ने कहा कि बजट घोषणा के अनुरूप आगामी 2 वर्षों में 2,500 नई ग्राम सेवा सहकारी समितियां खुलने से प्रदेश में सहकारिता का मजबूत नेटवर्क स्थापित होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सहकारी आन्दोलन को मजबूती देने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को अपनी भूमिका और जिम्मेदारी समझनी होगी। सभी कार्मिक संकल्प लें कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान ज्यादा उत्साह के साथ काम करते हुए सहकारी आन्दोलन को मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के दरवाजे सभी लोगों के लिए खुले होने चाहिए। श्री दक ने नवाचार करने और सहकारी समितियों द्वारा किये जा रहे कार्यों का दायरा बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही, नये को-ऑपरेटिव कोड के माध्यम से खामियों को दूर करने पर भी बल दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त रजिस्ट्रार श्री इन्दर सिंह, श्री संजय पाठक, श्री भोमाराम एवं श्री संदीप खण्डेलवाल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान पूरा विभाग दोगुने उत्साह के साथ काम करेगा और राज्य को देश में रोल मॉडल स्टेट के रूप में स्थापित करेगा। इस अवसर पर सभी फंक्शनल अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शराब घोटाला..पूर्व मंत्री लखमा को ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी का डर

हाईकोर्ट में लगाई अग्रिम जमानत याचिका, ईडी स्पेशल कोर्ट ने आवेदन किया खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को अब ईओडब्ल्यू और एसीबी की गिरफ्तारी का डर सता रहा है। जिससे बचने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। दरअसल, लखमा को शराब घोटला केस में ईडी ने गिरफ्तार किया है। ऐसे में उन्हें आशंका है कि केस में बेल मिलने के बाद भी उन्हें जेल से बाहर आने नहीं दिया जाएगा। बता दें कि शराब घोटाला केस में ईडी ने कवासी लखमा को 15 जनवरी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के 7 दिन बाद ईडी ने उनका रिमांड लिया और अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की थी। जिसके बाद 21 जनवरी से 4 फरवरी तक उन्हें 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। इस बीच ईडी की विशेष अदालत दो बार उनकी रिमांड ब?ा चुकी है। लखमा 4 मार्च तक न्यायिक रिमांड पर हैं। शराब घोटाले का केस सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, जिसमें अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और ईडी की कार्रवाई पर रोक लगी है। ऐसे में इस केस में पूर्व मंत्री लखमा को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने की उम्मीद है। प्रदेश में शराब घोटाले के केस में ईडी ने दो पूर्व मंत्रियों, विधायकों के साथ ही अफसर सहित 100 लोगों के खिलाफ ईओडब्ल्यू/ एसीबी में केस दर्ज कराया है। इसके चलते इस केस के आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से बेल मिलने के बाद जेल उन्हें जेल में ही गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके कारण वो जेल से बाहर नहीं आ पाए। पूर्व मंत्री कवासी लखमा को भी इसी तरह से गिरफ्तारी की आशंका है। ईडी की गिरफ्तारी के बाद कवासी लखमा के एडवोकेट ने लोअर कोर्ट में अग्रिम जमानत आवेदन प्रस्तुत किया था। इसमें बताया गया कि इस केस में जमानत होने के बाद राज्य सरकार बाहर आने से रोकेगी और ईओडब्ल्यू/ एसीबी केस में गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

महिला पुलिसकर्मी को भीड़ ने लात-घूंसों से पीटा,कांकेर में मतपेटी लूटने की कोशिश

❏ सरपंच प्रत्याशी की हार के बाद समर्थकों ने की मारपीट

कांकेर। छत्तीसगढ़ में कांकेर के पुसवाड़ा पंचायत में मतदान के दिन महिला पुलिसकर्मी को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। भीड़ से बचने के लिए दौड़ लगा रही महिला पुलिसकर्मी खेत में गिर गई, जिस पर लोग लात-घूंसे चलाते रहे। पहले चरण के मतदान यानी 17 फरवरी की इस घटना का वीडियो अब वायरल हो रहा है। भीड़ ने मतपेटी लूटने की भी कोशिश की।

सरपंच प्रत्याशी रुखमणी कोसम के हारते ही समर्थक भड़क गए और रि-काउंटिंग की मांग करने लगे। मतदान दल ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। स्क्र दिनेश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। जिसके बाद भीड़ और ज्यादा उग्र हो गई। तब भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

हार से संतुष्ट नहीं थी प्रत्याशी, मचा बवाल

पुसवाड़ा में पंचायत चुनाव का परिणाम आने के बाद प्रत्याशी रुखमणी कोसम हार से सन्तुष्ट नहीं थी और उनके समर्थक देखते ही देखते आक्रोश में आकर गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाया। जब वे नहीं माने तो लाठीचार्ज कर दिया। मामले को शांत करने का प्रयास कर रही पुलिस के लाठीचार्ज से ग्रामीण और भड़क गए, जिससे ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। पीठासीन अधिकारी अशोक गोटे ने कोतवाली थाने में शिकायत करते हुए बताया कि हारे हुए प्रत्याशी के कार्यकर्ताओं ने पहले ही उग्र होकर मतपेटी छीनने का प्रयास किया। पुलिस के सहयोग से वापस निकलने के दौरान भी गाड़ियों का घेराव कर मतपेटी छीनने की कोशिश की गई। इसमें सफलता नहीं मिलने पर भीड़ ने पथराव कर दिया, जिससे कई शासकीय वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

3 बांग्लादेशियों ने 5000 में बनवाए थे फर्जी सर्टिफिकेट

बगदाद भागने की फिराक में थे तीनो

जनमार्ग न्यूज

रायपुर। पिछले दिनों 3 बांग्लादेशी भाई गिरफ्तार हुए। तीनों ने ही फर्जी सर्टिफिकेट बनवाए थे और बगदाद भागने की फिराक में थे। रायपुर में ये गिरफ्तार हुए। ये फेक डॉक्यूमेंट सिर्फ एक मार्कशीट के आधार पर बनाए गए। ये मार्कशीट भी फर्जी थी और इसे मात्र 5000 रुपए देकर बनवाया गया था। एटीएस और रायपुर पुलिस की टीम ने नागपुर और कोलकाता में छापेमारी की है। कुछ संदेहियों के खिलाफ एटीएस की जांच अभी भी जारी है।

मुंबई में गिरफ्तारी के बाद मुंबई एटीएस ने छत्तीसगढ़ एटीएस को सूचना दी, जिसके बाद छत्तीसगढ़ से टीम मुंबई पहुंची। बांग्लादेश के रहने वाले गिरफ्तार आरोपियों मोहम्मद इस्माइल (27), शेख अकबर (23) और शेख साजन (22) को छत्तीसगढ़ पुलिस ने न्यायिक रिमांड ली। पूछताछ के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। इन्होंने 6 पेज का बयान दिया है। इसमें उन्होंने बताया है कि ये 2012 से छत्तीसगढ़ में रह रहे थे। आरोपियों ने अपने बयान में रायपुर के टिकरापारा, राजातालाब इलाकों में रहने की बात बताई। आरोपियों ने शेख अली उर्फ अली चाचा की मदद ली और नागपुर से रायपुर पहुंचे। इसी अली चाचा ने टिकरापारा इलाके में 3 साल तक रहने व्यवस्था की। टिकरापारा के बाद राजातालाब में मकान लेने की बात भी आरोपियों ने लिखित रूप से दी है। पुलिस आरोपियों के मकान मालिकों से भी पूछताछ कर रही है। हालांकि, मकान मालिक और आरोपियों के बयान में अलग-अलग जानकारी पुलिस को मिली है। मकान मालिक का नाम पुलिस ने इसलिए छिपाया है कि संदेह के आधार पर नाम लेने पर उनके घर हमला हो सकता है।

एटीएस की जांच में ये बात सामने आई है, कि आरोपियों ने अपना पासपोर्ट, आधार कार्ड, पेन कॉर्ड समेत अन्य दस्तावेज बनाने के लिए फर्जी मार्कशीट का सहारा लिया। ये मार्कशीट बांग्लादेशी नागरिकों ने मोहम्मद आरिफ की मदद से बनवाई थी। इस मार्कशीट की मदद से ही बांग्लादेशी नागरिकों ने अपने बाकी दस्तावेज तैयार करवाए। मोहम्मद आरिफ का सत्कार कंप्यूटर सेंटर है।

इन लोगों ने अपना आधार कार्ड रायपुर के पते पर 2012 के हिसाब से बनवाया। इस आधार कार्ड को बनाने के लिए फर्जी मार्कशीट का ही सहारा लिया। जब एटीएस को मार्कशीट पर संदेह हुआ, तो टीम उस स्कूल गई, जहां का मार्कशीट में नाम दर्ज था। वहां पता चला कि ये आरोपी वहां कभी नहीं रहे। फिर एटीएस की टीम जिला शिक्षा अधिकारी ऑफिस पहुंची और वहां से मार्कशीट की तस्दीक की। यहां पता चला कि मार्कशीट फर्जी है

यूपी में मौसम पलटा, 3 जिलों में ओले गिरे

जनमार्ग न्यूज

लखनऊ। यूपी में अचानक एक बार फिर मौसम बदल गया। देर रात पश्चिम के 3 शहरों में ओले गिरे। कई जगह तेज बारिश हुई। मेरठ में रात में करीब आधे घंटे तक ओले गिरे। सड़कों, छतों और खेतों में सफेद चादर बिछ गई। मेरठ से सटे हापुड़ शहर में भी यही हाल रहा। हापुड़ में भी रात को बारिश के साथ 15 मिनट तक बेर के आकार के ओले गिरे। इसके अलावा, बुलंदशहर में भी तड़के बारिश के साथ ओले गिरे। वहीं, गाजियाबाद, सहारनपुर, उन्नाव समेत यूपी के कई जिलों में शुक्रवार सुबह से बारिश हो रही है। इससे अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार की अपेक्षा शुक्रवार को प्रदेश का औसत अधिकतम तापमान में करीब 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 35 शहरों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। 24 फरवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके बाद मौसम में बदलाव होगा। मौसम विभाग के अनुसार, दो दिन बाद मौसम साफ होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के कारण पूरे पश्चिम यूपी में मौसम में बदलाव हुआ है। मेरठ के अलावा, हापुड़-बुलंदशहर में भी देर रात ओले गिरे हैं। हापुड़ में भी करीब 15 मिनट तक तेज ओले गिरे। गुरुवार को वाराणसी प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। अधिकतम तापमान 32डिग्री से. दर्ज किया गया। सबसे ठंडा शहर बहराइच रहा। यहां न्यूनतम तापमान 10.4डिग्री से. दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में बांदा में 9 एमएमए बारिश हुई। मौसम विभाग ने गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड, नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं एवं आसपास के इलाकों में आज बिजली गिरने और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

आर्य समाज टाउन ने विद्युत विभाग की मनमानी पर जताया विरोध, ऊर्जा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। आर्य समाज हनुमानगढ़ टाउन ने विद्युत विभाग की मनमानी और गैर कानूनी तरीके से विद्युत संबंध विच्छेद करने वाले कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ऊर्जा मंत्री, राजस्थान सरकार के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवकाश के दिन, शाम 7=15 बजे, विद्युत विभाग टाउन के कार्मिकों ने बिना किसी पूर्व सूचना के आर्य समाज की तीन दुकानों का बिजली कनेक्शन काट दिया। यह कार्रवाई सूने बाजार में की गई जबकि दुकानदार पिछले 35-40 वर्षो से नियमित रूप से बिजली बिलों का भुगतान कर रहे हैं और सभी दुकानों के लिए अलग-अलग मीटर लगे हुए हैं। दुकानदारों को अगले दिन सुबह 27 जनवरी को दुकान खोलने पर इस घटना की जानकारी मिली। जब उन्होंने कनिष्ठ अभियंता से फोन पर संपर्क किया तो उन्हें धमकी भरे लहजे में कहा गया की मैंने कनेक्शन काट दिया है जहां शिकायत करनी है कर लो। इसके बाद आर्य समाज के प्रधान सुरेन्द्र बैनिवाल के नेतृत्व में 15-20 लोग सहायक अभियंता से मिले जिन्होंने भी इस कार्रवाई को सही ठहराते हुए कहा कि जहां शिकायत करनी है करें।इसके बाद अधीक्षण अभियंता कार्यालय में जाकर उनके तकनीकी सहायक रिछपाल चारण से मुलाकात की गई जिन्होंने कनेक्शन बहाल कराने का आश्वासन दिया। लेकिन इसके बावजूद दो दिन तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हुई जिससे दुकानदारों को मानसिक और आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ी। 28 जनवरी को जिला कलेक्टर को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए प्रबन्ध निदेशक जोविविएनएल जोधपुर को ई-मेल के माध्यम से भी शिकायत भेजी गई परन्तु अधिकारियों की अनदेखी के चलते 72 घंटे बाद ही विद्युत कनेक्शन पुनः चालू हो सका।

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि लगभग 25-26 दिन बीतने के बावजूद दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई नहीं की गई है। आर्य समाज ने इस घटना को न केवल उपभोक्ताओं बल्कि सरकार की साख के लिए भी नुकसानदायक बताया है। आर्य समाज टाउन ने ऊर्जा मंत्री से मांग की है कि दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए जाएं ताकि भविष्य में इस प्रकार की मनमानी और गैरकानूनी कार्रवाई न हो। इस मौके पर सुरेंद्र बेनीवाल, राजेन्द्र ग्रोवर, सर्वजीत सिंह, दर्शन सोनी, मदनलाल, अजीत, बलवंत, राकेश, ललित, संदीप, करनैल आदि मौजूद थे।

दो बंद मकानों में चोरी

ताला तोड़कर 80 हजार कैश और गहने चुराए, परिवार गया था गुरुग्राम

नारनौल (जनमार्ग न्यूज)। हरियाणा के नारनौल में दो बंद मकानों से चोरों ने करीब 80 हजार कैश और गहने की चोरी कर लिए। घटना सदर थाना के अंतर्गत आने वाले गांव खटौटी खुर्द की है। इस बारे में पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दी।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में गांव खटौटी खुर्द के रहने वाले दीपक भारद्वाज ने बताया कि वह और उसका परिवार गुरुग्राम में रहता है उनके पैतृक मकान खटोटी गांव में है। वे 3 फरवरी को गांव के घर का ताला लगाकर गुरुग्राम में अपने घर पर चले गए थे। इसके बाद में आज अपने घर पर आए तो उन्हें मकान के ताले टूटे हुए मिले। अंदर का सारा सामान बिखरा हुआ था। इसके बाद उन्होंने मकान के अंदर जांच पड़ताल की। इस पर उन्हें पता चला कि चोरों ने उनके बंद मकान में रखे करीब 80 हजार रुपए नगद के अलावा दो सोने के नथ, पांच जोड़ी चांदी के पाजेब, दो जोड़ी सोने के कानों की बाली, चांदी के 20 सिक्के तथा 100 ग्राम चांदी के तीन सिक्के उनके घर से गायब हैं। इसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस में भी बाद में उन्हें पता चला कि उनके चाचा रतनलाल के मकान के ताले भी टूटे हुए हैं तथा उनका सामान भी बिखरा हुआ है सामान क्या-क्या चोरी हुआ वह उसके चाचा ही बता पाएंगे।

टेस्ट करने के लिए संगम का पानी जमा किया!

नई दिल्ली। महाकुंभ में अब तक 57 करोड़ से अधिक श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। इसके बावजूद गंगा जल की शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। यह दावा किसी आम व्यक्ति का नहीं बल्कि देश के शीर्ष वैज्ञानिकों में से एक, पद्मश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर का है। उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में यह सिद्ध कर दिया है कि गंगा का जल न केवल स्नान योग्य है, बल्कि अल्कलाइन वाटर जैसा शुद्ध भी है।

गंगा जल पर उठे सवालों को किया खारिज: गंगा नदी के जल की शुद्धता पर कई बार सवाल उठाए गए हैं, लेकिन इस बार देश के शीर्ष वैज्ञानिक ने इसे अपने प्रयोगशाला परीक्षणों से गलत साबित कर दिया है। डॉ. सोनकर ने चुनौती देते हुए कहा कि जिसे भी संदेह हो, वह उनके सामने गंगा जल लेकर आए और प्रयोगशाला में जांच कर इसकी शुद्धता को खुद परखे। वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर ने महाकुंभनगर के संगम, अरैल और तीन अन्य प्रमुख घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और प्रयोगशाला में तीन महीने तक इसका परीक्षण किया।

क्या मिला परीक्षण में: जल में बैक्टीरियल ग्रोथ नहीं पाई गई। जल का पीएच स्तर 8.4 से 8.6 के बीच रहा, जो सामान्य से भी बेहतर है।

1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज की मौजूदगी मिली, जो हानिकारक बैक्टीरिया को स्वतः ही नष्ट कर देते हैं।

बैक्टीरियोफेज का चमत्कार: गंगा की प्राकृतिक शुद्धिकरण शक्ति: गंगा जल में मौजूद बैक्टीरियोफेज की वजह से यह पानी स्वाभाविक रूप से शुद्ध रहता है। यही कारण है कि 57 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद यह जल दूषित नहीं हुआ। शोध में यह भी पाया गया कि गंगा जल में नहाने से त्वचा संबंधी रोग नहीं होते और इसके संपर्क में आने से कोई संक्रमण नहीं फैलता। डॉ. सोनकर ने कहा कि यदि जल प्रदूषित होता, तो अब तक अस्पतालों में मरीजों की भरमार हो जाती। वैज्ञानिक परीक्षण में पाया गया कि गंगा जल का पीएच स्तर स्थिर बना रहा और इसे 37 डिग्री सेल्सियस पर 14 घंटे तक रखने के बावजूद बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। इससे स्पष्ट होता है कि गंगा जल पूरी तरह सुरक्षित और शुद्ध है।

गंगा जल पर फैलाए गए भ्रम को किया खारिज: कुछ संगठनों ने गंगा जल को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की थी, लेकिन इस वैज्ञानिक शोध ने उन सभी दावों को झूठा साबित कर दिया। वैज्ञानिकों के अनुसार, गंगा जल स्नान और आचमन के लिए पूर्ण रूप से सुरक्षित है और इसकी शुद्धता बरकरार है। डॉ. अजय कुमार सोनकर का कहना है कि गंगा की यह शुद्धिकरण क्षमता किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह जल स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे गंगा जल को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न दें और वैज्ञानिक प्रमाणों पर विश्वास करें।

नीतीश के 'लाडले एमएलए' गोपाल मंडल ने सरकारी सफाईकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

भागलपुर। खुद को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दुलरुआ विधायक कहने वाले गोपाल मंडल पर एक बार फिर से गुंडागर्दी करने और मारपीट के आरोप लगे हैं। आरोप है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के दौरान जदयू विधायक गोपाल मंडल पर सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट और धमकी देने का आरोप लगा है। हालांकि इस संबंध में जब गोपाल मंडल से पूछा गया तो उन्होंने मारपीट जैसी किसी घटना से साफ इनकार कर दिया है। गुरुवार को हाउसिंग बोर्ड परिसर में वाहन पड़ाव की तैयारी के दौरान विधायक गोपाल मंडल ने नगर निगम और राजस्व विभाग के कर्मचारियों पर लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे कई कर्मचारी घायल हो गए। विधायक ने कर्मचारियों को धमकी भी दी कि यदि उन्होंने विरोध किया, तो उन्हें मैदान से बाहर नहीं जाने देंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर हाउसिंग बोर्ड परिसर में वाहन पड़ाव बनाया जा रहा है। इसके लिए नगर निगम और राजस्व विभाग की टीम सफाई एवं अन्य तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान छ्वष्ठ विधायक गोपाल मंडल अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और निगम कर्मियों पर लाठी बरसानी शुरू कर दी। इस घटना में नगर निगम के जेसीबी ड्राइवर बमबम सहायक पिंटू और राजस्व कर्मचारी संजीव कुमार सिंह को गंभीर चोटे आई है। संजीव कुमार सिंह के हाथ में गहरे जख्म हुए हैं जबकि, एक अन्य कर्मियों के शरीर पर लाठी के निशान पड़े हैं। जानकारी के अनुसार, मारपीट के बाद विधायक ने कर्मियों को धमकाया और कहा कि विरोध किया तो मैदान के बाहर नहीं जाएंगे। हालांकि घटना के वक्त मौके पर (छ्वह्) अंचलाधिकारी नहीं थे, घटना की जानकारी मिली तो को मौके पर पहुंचे और मामले को दबाने की कोशिश करने लगी। यह पहली बार नहीं है जब जदयू विधायक गोपाल मंडल विवादों में घिरे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, उन पर जमीन कब्जा करने, मारपीट, धमकी देने और गाली-गलौज करने के कई आरोप लगे हैं। दिसंबर 2024 में, एक रिटायर्ड सैनिक ने उन पर जमीन कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। अगस्त 2024 में, जदयू के ही एक नेता ने विधायक पर गाली-गलौज और हत्या की धमकी देने का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा, जनवरी 2025 में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान, उन्होंने कुर्सी व्यवस्था को लेकर हंगामा किया और भाजपा नेता को अगली कतार में बैठने से रोका था।

नीलकंठ धाम में 27वें त्रिदिवसीय पुण्य निष्काम भंडारे का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। श्री नीलकंठ महादेव सेवा समिति द्वारा नीलकंठ धाम में लगने वाले 27वें त्रिदिवसीय पुण्य निष्काम भंडारे को गुरूवार को टाउन शिव मन्दिर से मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीणा, एसकेडी विश्वविद्यालय के निदेशक बाबूलाल जुनेजा ने विधिवत पूजा अर्चना कर रवाना किया। समिति के अध्यक्ष व संस्थापक अश्विनी नारंग व उपसमिति अध्यक्ष राजपाल नागपाल ने बताया कि यह श्रद्धामय भंडारा 24 से 26 फरवरी तक चलेगा, जिसमें भक्तों के लिए निशुल्क प्रसाद वितरण और सेवा कार्य किए जाएंगे। अश्वनी नारंग ने बताया कि यह भंडारा पिछले 26 वर्षों से निरंतर जारी है और इसका उद्देश्य क्षेत्र की सुख-समृद्धि और धार्मिक जागरूकता को बड़ावा देना है। समिति के सदस्यों एवं शहरवासियों के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक किया जाता है। इस त्रिदिवसीय आयोजन में हजारों श्रद्धालु सम्मिलित होंगे और भक्तिभाव के साथ सेवा कार्यों में भाग लेंगे। उक्त भंडारा उपसमिति संरक्षक साहबराम करड़वाल, सचिव नरेश बाघला, कोषाध्यक्ष सुनील मिड्ढा, महेश लकेसर, सुनील चुघ के नेतृत्व 100 लोगो का जत्था रवाना हुआ। इस मौके पर फुडग्रेन मर्चेन्टस एसोसिएशन के अध्यक्ष नरोत्तम सिंगला, रामचन्द्र बाघला, संतराम जिन्दल, सुरेन्द्र गाड़ी, रोहिताश शर्मा, श्रवण सहारण, रत्तीराम शाक्य, महावीर शर्मा, सुरेश कुमार गुप्ता, चिमन मित्तल, विजय भूतना, कृष्ण गेदर, दीपक नारंग, अनिल कुमार शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

इंटरनेशनल ड्रग एलएसडी बरामद

❑ रूस-अमेरिका जैसे देशों में इसका इस्तेमाल, 27 ग्राम की कीमत 40 हजार, रेव पार्टियों के लिए मंगाया, 1 गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम में अंतरराष्ट्रीय ड्रग एलएसडी (लिसर्जिक एसिड डाइएथाइलैमाइड) का मामला सामने आया है। एंटी नारकोटिक्स सेल ने कोलकाता निवासी शाहबाज नामक युवक को गिरफ्तार किया है। वह दिल्ली के साकेत में पीजी में रहता है और टोर ब्राउजर (डार्क ब्राउजर) का इस्तेमाल कर क्रिप्टोकरेंसी के जरिए विदेश से ऑनलाइन ऑर्डर कर ड्रग गुरुग्राम लाया था। सुशांत लोक थाने में शाहबाज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उससे उसके अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस टीम दिल्ली और गुरुग्राम में उसके ठिकानों पर छापेमारी कर रही है ताकि वह डिवाइस बरामद हो सके जिससे उसने ऑनलाइन ड्रग ऑर्डर की थी।

बच्चों के टैटू में छिपा था खतरनाक ड्रग: राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में पुलिस ने शाहबाज से बच्चों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले छोटे-छोटे टैटू बरामद किए। इस तरह के टैटू बच्चों की टॉफी और अन्य खाने-पीने की चीजों में पाए जाते हैं, जिन्हें बच्चे अपने शरीर पर चिपकाकर खेलते हैं। जब इन टैटू का वजन किया गया तो इनका वजन 27 ग्राम पाया गया। भारत में इस ड्रग की बिक्री कीमत 30 से 40 हजार रुपये है। जब आरोपी से इस ड्रग के लाइसेंस या परमिट के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि उसने इसे विदेश से मंगवाया था, जिसे गुरुग्राम में पार्टी कर रहे युवाओं तक पहुंचाना था।

क्या है एलएसडी ड्रग: एंटी नारकोटिक्स सेल से जुड़े पुलिस अधिकारियों के मुताबिक एलएसडी (लिसर्जिक एसिड डायथाइलैमाइड) ड्रग का इस्तेमाल हाई प्रोफाइल लोग करते हैं। यह एक मतिभ्रम पैदा करने वाला ड्रग है और इसका कोई रंग, कोई खुशबू और कोई स्वाद नहीं होता। इसे लेने के 15 से 20 मिनट के अंदर ही नशा शुरू हो जाता है और लंबे समय तक बना रहता है। यह नशा दिमाग की सोचने की क्षमता को भी कम कर देता है, जिससे नशे के दौरान व्यक्ति खुद पर नियंत्रण खो देता है। असमंजस की स्थिति में व्यक्ति खुद को या दूसरों को नुकसान पहुंचा सकता है।

रेव पार्टियों से कनेक्शन: पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस नशे का सबसे ज्यादा इस्तेमाल अमेरिका, रूस और यूरोपीय देशों में होता है। नशा करने वाले लोग इस कागज को अपनी जुबान पर रखते हैं। खासकर युवाओं में इसका क्रेज लगातार बढ़ रहा है। गुरुग्राम में होने वाली रेव पार्टियों में भी इस नशे के इस्तेमाल के इनपुट पुलिस को मिले हैं।

टोर ब्राउजर से सर्च, क्रिप्टोकरेंसी से पेमेंट और ऑनलाइन डिलीवरी: पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी शाहबाज ने टोर ब्राउजर का इस्तेमाल करके बायोनेस नाम के पोर्टल से इसे ऑर्डर किया था। यहां क्रिप्टोकरेंसी में पेमेंट किया जाता है और डिलीवरी ऑनलाइन की जाती है। यह दिखने में स्टांप टिकट जैसा है। आम लोग इसे आसानी से पहचान नहीं पाते। ड्रग स्कैनर भी इसका पता नहीं लगा पाते, इसलिए इसे पकड़ना काफी मुश्किल है।

सिंडिकेट का पता लगा रही पुलिस: गुरुग्राम में रेव पार्टियों में अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स के इस्तेमाल के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। अब एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस सतर्क हो गई है। पुलिस आरोपी से गंभीरता से पूछताछ कर रही है। इस बात की जांच की जा रही है कि शाहबाज ने खुद इसका ऑर्डर दिया था या वह किसी सिंडिकेट के लिए काम करता है। इस सिंडिकेट में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी भी जांच की जा रही है।

बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी और छात्रों के बीच घमासान

❑ हसीना को हटाकर यूनुस के चेलों ने कर दिया खेल

जनमार्ग न्यूज

ढाका। बांग्लादेश की कट्टरपंथी और पाकिस्तान परस्त जमात-ए-इस्लामी और शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले छात्र गुट के बीच घमासान शुरू हो गया है। छात्र आंदोलनकारियों के गुट के अपनी राजनीतिक पार्टी के ऐलान के बाद जमात-ए-इस्लामी तिलमिला गई है। कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी को लग रहा है कि उसे सत्ता से बाहर करने के लिए खेल हो गया है। जमात-ए-इस्लामी की छात्र शाखा छात्र शिबिर और हसीना विरोधी छात्र नेताओं के बीच आंदोलन के क्रेडिट पर जंग छिड़ी है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामी छात्र शिबिर के नेता सोशल मीडिया पर दावा कर रहे हैं कि शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले जुलाई आंदोलन में उनकी प्रमुख भूमिका थी।

शिबिर और छात्र नेता आमने-सामने: दूसरी तरफ जुलाई आंदोलन के दौरान भेदभाव विरोधी छात्र मोर्चा के नेता भी सामने आए हैं और कहा है कि शिबिर की कोई प्रमुख भूमिका नहीं थी, बल्कि उसने भी बाकियों की तरह ही आंदोलन में हिस्सा लिया। छात्र शिबिर के कई पूर्व और वर्तमान नेताओं ने फेसबुक पर बताया कि कैसे उन्होंने भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के समन्वयकों को आश्रय प्रदान किया। यही नहीं, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपर्क साधने और विरोध प्रदर्शनों की योजना भी बनाई।

आंदोलन का क्रेडिट लेने की जंग: इसके जवाब में भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के पूर्व कोऑर्डिनेटर अब्दुल कादर ने लिखा कि समन्वयक वे ही लोग थे, जिन्होंने 9 सूत्रीय मांग तैयार की और शिबिर ने केवल उनका प्रसार किया। जुलाई आंदोलन के एक प्रमुख आयोजक और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में युवा और खेल मामलों के सलाहकार आसिफ महमूद भी इस लड़ाई में कूद पड़े।

अंतरिम सरकार के सलाहकार भी कूदे: आसिफ ने फेसबुक पर लिखा, जुलाई विद्रोह के इतिहास को खराब न करो। हम जुलाई विद्रोह के बारे में किसी भी झूठ को बर्दाश्त नहीं करेंगे, जो इस पीढ़ी के खून से हासिल हुआ था। भले ही मैं बाकी सब बातों पर चुप रहूं, लेकिन मैं इस पर चुप नहीं रह सकता। इतिहास को हाईजैक करने का गंदा खेल बंद करो।

महिला की जमीन विवाद से जुड़ी वीडियो वायरल, संयुक्त किसान मोर्चा ने निष्पक्ष जांच की मांग की

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। पीलीबंगा क्षेत्र में एक महिला की वीडियो कई दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें वह आम जनता से अपील कर रही है कि उसके साथ जमीन विवाद में अन्याय हो रहा है और उसे सहयोग की आवश्यकता है। इस वीडियो के सामने आने के बाद ग्रामीण किसान मजदूर समिति, पीलीबंगा ने इस मामले की गहराई से जांच की और पाया कि महिला वास्तव में पीड़ित है।इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त किसान मोर्चा, पीलीबंगा ने 19 फरवरी 2025 को एक बैठक आयोजित की, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जानी चाहिए। बैठक के दौरान मोर्चा के सदस्यों ने पीड़ित महिला किरणजीत कौर और उसके परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई।इसके बाद संयुक्त किसान मोर्चा, पीलीबंगा के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस थाना पीलीबंगा और तहसीलदार महोदय को ज्ञापन सौंपा, जिसमें मांग की गई कि इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और महिला एवं उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विपक्षी पक्ष पर सख्त कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख किया गया कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर जल्द से जल्द न्याय दिलाने का प्रयास करे।इस मौके पर बाबा दर्शन सिंह जी, तारा सिंह ढिल्लों (जिला कमेटी सदस्य, त्वयस) की अध्यक्षता में कई किसान नेता और ग्रामीण उपस्थित रहे। इनमें सुखदेव सिंह रमाना, गोपाल बिश्नोई (ढ्वयस), जगसीर सिंह बराड़, चरणप्रीत सिंह बराड़, धर्मेंद्र ढिल्लों, गुरलाल चहल, जगवीर सिंह, भूपेंद्र सिधू, युनुस नागरा, शेरा राम, रेशम सिंह, कुलदीप सिंह चहल सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्यों ने प्रशासन से यह भी अपील की कि इस तरह के मामलों में निष्पक्षता बनाए रखते हुए पीड़ित पक्ष को न्याय मिले, ताकि भविष्य में किसी भी व्यक्ति के साथ इस तरह का अन्याय न हो। ग्रामीणों और किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे इसके खिलाफ बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

रेप पीड़िता को लेकर अहम फैसला :24 सप्ताह तक का गर्भ होने पर पॉक्सो कोर्ट करेगी सुनवाई

जबलपुर (जनमार्ग न्यूज)। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने रेप पीड़िताओं के गर्भपात को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। इंदौर और जबलपुर बेंच की एकलपीठों द्वारा अलग-अलग दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिसके बाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अगर पीड़िता का गर्भ 24 सप्ताह या उससे कम अवधि का है, तो संबंधित जिले की पॉक्सो कोर्ट में मामला पेश करना होगा। हाल ही में जबलपुर और इंदौर बेंच की अलग-अलग गाइडलाइंस में विसंगति देखने को मिली थी। इस पर डिवीजन बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की और उप-महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी व शासकीय अधिवक्ता अनुभव जैन की दलीलों को सुनने के बाद नई एसओपी जारी की। दोनों ही स्थितियों में हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि डीएनए परीक्षण के लिए भ्रूण को सुरक्षित रखना जरूरी होगा, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में इसका उपयोग किया जा सके।

युवक की गला रेतकर कुएं में फेंकी लाश

सरगुजा (जनमार्ग न्यूज)। अंबिकापुर के ग्राम परसा में सुबह करीब 4 बजे युवक की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। शव को घसीटते हुए पास ही कुएं में फेंका गया है। घटना की सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी की टीम मौके पर पहुंची। परिजनों ने शव को कुएं से निकलवाया और मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया। मामले में कोतवाली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम परसा निवासी युवक मुन्ना राम चेरवा (40) बीती रात घर में सोया था। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे वह आहट सुनकर बाहर निकला। घरवालों ने बाहर विवाद होने की आवाज सुनी। जब काफी देर तक मुन्ना राम वापस नहीं लौटा तो परिजन बाहर निकले। परिजनों को घर के बाहर खून फैला हुआ मिला तो वे दहशत में आ गए। आसपास तलाश करने पर मुन्ना राम कुएं में पड़ा हुआ दिखा। परिजनों ने उसे बाहर निकाला, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक का सब्जी काटने वाले चाकू से गला काटा गया है। चाकू पास पड़ा मिला। कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंह परिहार ने बताया कि पुलिस मामले में गहनता से जांच कर रही है। युवक का विवाद किनसे था, इसकी भी जानकारी ली जा रही है।

हिमालय परिवार की मासिक बैठक सम्पन्न

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हिमालय की रक्षा, पर्यावरण, सिन्धु दर्शन यात्रा (लेह-लद्दाख) व अन्य सामाजिक क्षेत्रों में कार्य कर रही राष्ट्रीय संस्था हिमालय परिवार, श्रीगंगानगर की मासिक बैठक बृहस्पतिवार सायं शिव लंगर समिति प्रांगण में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष शिव स्वामी ने की। सक्रिय सदस्य संतोष गुप्ता ने बताया कि बैठक में संस्था गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक में विचार-विमर्श के पश्चात् सर्वसम्मति से मुनीश कुमार लड्ढा को जिलाध्यक्ष तथा निवर्तमान अध्यक्ष देवेन्द्र अग्रवाल को संरक्षक नियुक्त किया गया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने सबका आभार व्यक्त करते हुए शीघ्र जिला कार्यकारिणी गठन की घोषणा की। इस मौके पर निर्णय लिया गया कि 22 फरवरी, शनिवार को माननीया राष्ट्रपति को जिला कलेक्टर के माध्यम से स्मरण-पत्र भेजकर पाक अधिकृत कश्मीर को मुक्त करवाकर पुनः भारत में सम्मिलित करने की मांग की जाएगी। वक्ताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने अपने जन्म के कुछ समय बाद ही हमला कर भारतीय कश्मीर के एक बड़े भू-भाग लगभग 78 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर कब्जा कर लिया था। इससे भारत का पश्चिमी देशों को जाने का सड? मार्ग अवरूद्ध हो गया था। अब यह क्षेत्र पीओके के नाम से जाना जाता है। 22 फरवरी, 1994 को भारतीय संसद राज्यसभा व लोकसभा ने एकमत हो यह प्रस्ताव पारित कर सकल्प लिया था कि पाकिस्तान द्वारा किए गए इस नाजायज कब्जे को छुड़वाकर पीओके को पुन~ भारत में सम्मिलित किया जाएगा। यह क्षेत्र आज पाकिस्तान के कारण आतंकवाद, घुसपैठ व नशीले पदार्थों की तस्करी का अड्डा बना हुआ है। पीओके के लोग भी भारत में सम्मिलित होना चाहते हैं।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष शिव कुमार, अध्यक्ष मुनीश कुमार लड्ढा, पृथ्वीराज चाचाण, हरिशंकर तिवाड़ी, संतोष गुप्ता, अरविंद जाटव, मनीराम सेतिया,अशोक किंगर, इन्द्रभूषण चावला, प्रेम छापोला, बलदेव नागपाल, हरिमोहन शर्मा, मदनमोहन डूंगाबूंगा, निवर्तमान पार्षद प्रहलाद सोनी सहित हिमालय परिवार पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

नान घोटाला...पूर्व एजी सतीश चंद्र वर्मा को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम अग्रिम जमानत, राज्य सरकार से मांगा जवाब; 28 को होगी सुनवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ नान घोटाला केस में फंसे पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता ने उन्हें अंतरिम अग्रिम जमानत दी है। इस मामले में राज्य सरकार को जवाब प्रस्तुत करना होगा, जिसके बाद अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी। बता दें कि हाईकोर्ट ने पूर्व महाधिवक्ता की अग्रिम जमानत अर्जी को खारिज कर दिया था, जिससे उनकी गिरफ्तारी की संभावना ब? गई थी।दरअसल, हाईकोर्ट के पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा के खिलाफ ईओडब्ल्यू/एसीबी ने नान घोटाला केस में एफआईआर दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने साल 2015 में महाधिवक्ता रहते हुए नान घोटाला में फंसे आरोपियों को बचाने के लिए षडयंत्र रचा था। इस केस में गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका लगाई थी। जिसे पिछले सप्ताह खारिज कर दिया गया था।

हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने पर सीनियर एडवोकेट और पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में अग्रिम जमानत आवेदन प्रस्तुत किया। इसमें बताया गया कि किसी भी केस में याचिका में जवाब दावा सीधे तौर पर महाधिवक्ता प्रस्तुत नहीं करते। नान घोटाला का यह केस साल 2015 का है, जिस पर सरकार बदलने के बाद राजनीतिक रूप से आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया गया है, जो गलत है।

एफआईआर को बताया असंवैधानिक

याचिका में कहा गया था कि, महाधिवक्ता के खिलाफ असंवैधानिक रूप से केस दर्ज किया गया है। चूंकि, महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल ने की है। लिहाजा, उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए धारा 17(ए) के तहत अनुमति जरूरी है, लेकिन इस केस में सरकार ने कोई अनुमति नहीं ली है। सीधे तौर पर केस दर्ज किया है।

21 दिवसीय श्री श्याम सतरंगी फाग महोत्सव

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। श्री श्याम सखा व महिला मंडल के 21 दिवसीय श्री श्याम सतरंगी फाग महोत्सव का आगाज श्री श्याम नाम की मेहंदी के साथ किया गया। प्राचीन श्री शनि मंदिर के सामने आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा अर्चना के बाद श्री श्याम बाबा की आरती व स्तूति के साथ किया गया। मुख्य अतिथि एपेक्स हॉस्पिटल की उप निदेशक डॉ. स्वर्णलता बंसल व रश्मि बजाज ने श्याम बाबा को मेहंदी लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि धर्म का प्रचार प्रसार करना सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी को सकारात्मक दिशा मिलती है। नीता मेहंदी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में सभी महिलाओं को निःशुल्क मेहंदी लगाने के साथ खाने-पीने की स्टालों की व्यवस्था भी संस्था की तरफ से की गई। महिला मंडल अध्यक्ष सोनू बवेजा, सचिव अंकुर लड़ोइया, उपाध्यक्ष रजनी मोदी, किरण भुंवाल, नीरू बतरा, रेखा सारड़ा, सुजाता बजाज, कमलप्रीत, दिव्या भार्गव, सीना नागपाल, प्रभारी अशोक भार्गव, जॉनी नागपाल, प्रवक्ता राजेश चौराया ने मुख्य अतिथि डॉक्टर स्वर्ण लता बंसल, रश्मि बजाज,अतिथियों को दुपट्टा पहना व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के विशेष सहयोगी अतिथि सीए सुनील तलवार का संस्था की तरफ से विशेष सम्मान किया गया। प्रभारी अशोक भार्गव ने आंगुतकों का स्वागत किया, अध्यक्ष सोनू बवेजा ने आभार जताया। प्रवक्ता राजेश चराया व जोनी नागपाल ने बताया 12 मार्च तक लगातार चलने वाले श्री श्याम सतरंगी फाग महोत्सव कार्यक्रम के लिए जोरदार तैयारियां की गई है 21 फरवरी को आदर्श कॉलोनी स्थित प्राचीन श्री रामदेव मंदिर के श्याम दरबार में रात्रि कीर्तन व सामुहिक श्री श्याम चालीसा का पाठ होगा, 22 फरवरी की अपराह्न सवा 3 बजे ब्राह्मण धर्मशाला के पास श्री सत्यनारायण तावनिया मोहिनी निवास से बाबा श्याम की भव्य निशान यात्रा (शोभायात्रा) निकाली जाएगी। निशान यात्रा शोभा यात्रा में 1111 श्याम प्रेमी श्री श्याम ध्वजा निशान उठाकर चलेंगे। निशान यात्रा में बाबा श्याम का दिल्ली के पुष्पों से मनमोहक श्रृंगार व बाबा का हाथ से खींचने वाला रथ विशेष आकर्षण रहेगा,रथ को सभी श्याम प्रेमी करीब तीन किमी तक अपने हाथों से खींचकर सैनी मोहल्ला स्थित श्री श्याम मंदिर तक जाएंगे। इसके अलावा डीजे, ढोल नगाड़े, फूलों की होली, इत्र वर्षा, घोड़ेव ऊंट आदि शामिल होंगे। निशांत यात्रा के समापन पर 111 भाग्यशाली श्याम भक्तों को ड्रॉ से पुरस्कृत किया जाएगा। अंत में मंडल की ओर से रंगीन आतिशबाजी व सभी श्याम भक्तों के लिए लंगर की व्यवस्था भी की गई जाएगी। वृद्धों के लिए टेंपो की व्यवस्था भी की गई है। सचिव अंकुर लड़ोईया ने बताया 12 मार्च तक रोजाना शहर के विभिन्न वार्डों में श्री श्याम बाबा का अर्द्ध रात्रि कीर्तन होगा, कीर्तन में देश के नामी गायक भी शिरकत करेंगे। मंडल के अध्यक्ष सोनू बवेजा अंकुर लड़ोईया, कोषाध्यक्ष धीरज अग्रवाल, प्रभारी अशोक भार्गव, प्रवक्ता राजेश चराया, हिमांशु नागपाल, जोनी नागपाल, सोनू नरूला बंसी छाबडा, मोक्ष मिड्ढा, पवन दरासरी, इंद्रजीत स्वामी, नरेश नागपाल, मनोज गुप्ता, मोहित भोजक, महिला मंडल की रजनी मोदी, किरण भुवांल, कमला सोनी, रीटा बाघला, रेणू डोडा, कमलप्रीत कौर, निकिता चराया आदि तैयारियों में जुटे हुए हैं।

जमीन विवाद, भांजे ने की मारपीट

मामा परिवार पर लाठी-डंडों से हमला; एक को गर्म तेल से झुलसाया, 4 घायल

जनमार्ग न्यूज

भोपाल। राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में पुश्तैनी जमीन को लेकर चल रहे विवाद में एक युवक ने अपने साथियों के साथ लाठी-डंडे से मामा परिवार पर हमला कर दिया। आरोपियों ने लाठी-डंडों और ट्यूब लाइट से मारपीट की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना के दौरान घर में नमकीन बनाने का काम चल रहा था, इसी दौरान आरोपियों ने एक युवक पर गर्म तेल डाल दिया गया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। घायल राधेश्याम मालाकार (52) ने बताया कि उनके दादा मथुरा लाल मालाकार ने करीब 10 साल पहले अपनी 6 बीघा पुश्तैनी जमीन का बंटवारा अपने पांच बेटों- नारायण, मानसिंह, कैलाश, रामप्रसाद और कन्हैयालाल में कर दिया था। उस समय उनकी बहन शांति बाई ने किसी भी प्रकार का दावा नहीं किया था। लेकिन, अब जमीन की कीमत बढ़ने के बाद उन्होंने हिस्सा मांगना शुरू कर दिया। मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसी विवाद के चलते हमारी बुआ शान्ति बाई के बेटे मदन ने गुरुवार रात फूटी कोट के समीप रहने वाले मामा परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया गया। गुरुवार रात करीब 9 बजे मदद मालाकार अपने साथियों के साथ अचानक घर में घुस आया और हमला कर दिया। सभी हमलावरों के पास लाठी-डंडे और ट्यूब लाइट थी। इस हमले में राधेश्याम मालाकार (35) को सिर और कमर में गंभीर चोटें आई। रामप्रसाद मालाकार (48) को सिर, कमर और हाथ में चोट लगीं, वहीं सोना बाई (45) के सिर पर चोट आई। हमले के दौरान घर में सेव बनाने का काम चल रहा था।

सरपंच पति की हत्या पर भड़के ग्रामीण, धरना जारी

● श्रीगंगानगर रोड पर लगाया धरना, वाहन चालक परेशान ● शव का नहीं कराया पोस्टमार्टम ● आरोपी की पत्नी-मां गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

अबोहर। अबोहर में गांव कलरखेड़ा की नाली विवाद में हुई महिला सरपंच पूनम रानी के पति शंकर लाल की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी की मां और पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। इस हत्याकांड को लेकर ग्रामीणों में रोष था और वे रोड जाम करके धरने पर बैठ गए थे। मृतक का शव अभी अस्पताल में ही रखा है। गांव कलरखेड़ा के रहने वाले महेंद्रपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि यह हत्या एक पुरानी रंजिश का नतीजा है। गांव के मनोज कुमार नंबरदार बनना चाहते थे। शंकर लाल ने सुनील कुमार कलरखेड़ा का समर्थन किया था। इसी बात से मनोज और उनका परिवार शंकर से रंजिश रखते थे। मृतक का शव अस्पताल के शवगृह में रखा है। परिवार ने अभी तक पोस्टमॉर्टम नहीं करवाया है। मृतक के परिजन और ग्रामीण सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने श्रीगंगानगर रोड पर गुरुवार शाम से धरना शुरू किया है। यह धरना शुक्रवार सुबह तक जारी रहा। उसने बताया कि उसका भाई शंकर लाल की पत्नी पूनम रानी गांव की सरपंच है। शंकरलाल गांव में चल रहे विकास कार्यों के तहत उक्त मनोज कुमार के नोहरे के पास बनने वाले खाले का निरीक्षण करने गया था। वहां पर मनोज पत्नी स्नेहा व मां सरोज के कहने पर अपने घर की छत से गुस्से में आया और आते ही उसके भाई शंकर लाल के माथे पर अपने पिस्टल से गोली मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया। इधर थाना बहाववाला पुलिस ने उक्त मनोज कुमार, उसकी पत्नी सनेहा, मां सरोज, राजिन्द्र, मोहन लाल, राय बहादुर, नरिन्द्र कुमार के खिलाफ बीएनएस की धारा 103, 351 (3), 61 (2) तथा आर्म एक्ट की धारा 25, 27 के तहत मामला दर्ज करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में स्नेहा और सरोज को काबू कर बाकी आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि गांव कल्लरखेड़ा में नाली विवाद को लेकर चल रही पंचायत में सरपंच पति पर आप पार्टी के कार्यकर्ता मनोज कुमार ने शंकरलाल पर पिस्तौल से फायर किया, जिसकी श्रीगंगानगर लाते समय रास्ते में मौत हो गई। परिजन शीघ्र आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं।

जन सेवा हॉस्पिटल : अग्नाशय में सूजन का बिना ऑपरेशन इलाज

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। डॉ. एसएस टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में अग्नाशय ग्रंथि में सूजन (पेंक्रिएटिटिस) से पीड़ित युवक का इलाज किया गया। युवक जिस समय अस्पताल में भर्ती हुआ, उसे खून की उल्टी हो रही थी। हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रो. बलजीत कुलड़िया ने बताया कि युवक ने कई जगह इलाज लिया लेकिन उसे राहत नहीं मिली। लगातार खून की उल्टियां होने से उसे खून की कमी हो रही थी और बार-बार खून चढ़ाना पड़ रहा था।

इस पर युवक जन सेवा हॉस्पिटल के गेस्ट्रोलॉजी विभाग के डॉ. केके कुमावत के पास पहुंचा। डॉ. कुमावत ने ईयूएस जांच में पाया कि स्पीलिनिक आर्टरी में फैलाव (एन्युरिज्म) से यह खून बह रहा है। इसे उसी समय ईयूएस गाइडेड कॉइलिंग व आर्टेरी में ग्लू डालकर बंद किया गया। इससे अगले दिन से ही रोगी युवक को खून की उल्टी आनी बंद हो गई। पूरी प्रक्रिया के दौरान रेडियोलॉजी विभाग के डॉ. गुरविंद्र बराड़ और डॉ. अनूप नागपाल का सहयोग रहा। रोगी युवक ने बताया कि वह एक ईंट भट्ठे पर काम करता है और संगरिया इलाके के गांव खाराखेड़ा का रहने वाला है। उसने बताया कि वह तिल्ली के खून की नलिका फूलने (एन्युरिज्म) के कारण परेशान हो चुका था। इसके लिए हनुमानगढ़, बठिंडा सहित कई जगह इलाज लिया लेकिन राहत नहीं मिली। जन सेवा हॉस्पिटल में इलाज के बाद उसे अच्छा लग रहा है।

अवैध हथियार रखने का आरोपी गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

सादुलपुर। चूरू जिले में पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बीकानेर रेंज के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। थाना अधिकारी राजेश सिहाग ने बताया कि 20 फरवरी को विशेष सूचना के आधार पर राजगढ़ पुलिस ने कार्रवाई की। सिद्धमुख थाना क्षेत्र के बिरमी पट्टा निवासी संजीव कुमार (22) को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मामला दर्ज किया है। राजगढ़ थाने के पुलिस निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार मामले की जांच कर रहे हैं। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी को हथियार और कारतूस कहां से मिले। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वह इनका उपयोग किस उद्देश्य के लिए करने वाला था। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक महेंद्र सिंह के नेतृत्व में कांस्टेबल अंकित कुमार, इंद्र, सज्जन सिंह और लीलाधर की टीम शामिल थी।

महिला और बच्ची लापता, नहर में छलांग लगाने की आशंका

● नहीं लगा सुराग, गोताखोर सर्च ऑपरेशन जारी

जनमार्ग न्यूज

अबोहर। पंजाब के फाजिल्का जिले के अबोहर के प्रिया एंकलेव में एक चिंताजनक घटना सामने आई है। जहां एक महिला वंदना दोपहर करीब ढाई बजे अपनी बेटी प्रांशी के साथ घर से निकली और वापिस नहीं लौटी। मामले की सूचना पर पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है और मां-बेटी की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार काफी समय तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। लोगों ने बताया कि वंदना ने अपनी बच्ची के साथ नहर में छलांग लगा दी है। इस सूचना के बाद परिजनों ने तुरंत गोताखोरों को बुलाया। वर्तमान में गोताखोर और परिजन अबोहर की नहर में दोनों की तलाश कर रहे हैं। पुलिस को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। अभी तक दोनों का कोई सुराग नहीं मिला है। घटना के कारणों की जानकारी भी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

एमपी अमृतपाल की याचिका पर सुनवाई 25 को

जनमार्ग न्यूज

अमृतसर। पंजाब के माझा में आती खडूर साहिब लोकसभा क्षेत्र के मेंबर ऑफ पार्लियामेंट (एमपी) अमृतपाल सिंह की संसद सदस्यता खतरे में है। इस समय डिब्रूगढ़ जेल में बंद एमपी अमृतपाल सिंह 46 दिन से लोकसभा से गैरहाजिर हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में शुक्रवार (21 फरवरी) को अमृतपाल की तरफ से लगाई गई याचिका पर सुनवाई के बाद अगली तारीख 25 फरवरी दी गई है। खालिस्तान समर्थक सांसद ने हाईकोर्ट से मांग की है कि उन्हें लोकसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने की परमिशन दी जाए। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट इस मामले में तकनीकी पहलुओं को समझना चाहता है, इसलिए 25 फरवरी को तकनीकी पहलुओं पर चर्चा हो सकती है। दरअसल, याचिका में हवाला दिया गया है कि नियमों के मुताबिक अगर वह 60 दिनों तक लोकसभा की कार्यवाही से गैरहाजिर रहते हैं तो उनकी सदस्यता रद्द हो सकती है। दलील दी गई है कि वह 46 दिन से लोकसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले पाए हैं।

इको-बाइक की टक्कर, एसआई की मौत

जनमार्ग न्यूज

रेवाड़ी। रेवाड़ी में इको कार और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार ईएसआई निहाल सिंह की मौत हो गई। वहीं इको गाड़ी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। इसके बाद उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। रोहड़ाई थाना में ईआरवी पर तैनात निहाल सिंह वीरवार रात को रोहड़ाई मोड से खेड़ा गांव की तरफ ड्यूटी पर जा रहे थे। जो एनएच 71 पर केडी होटल के सामने पहुंचे, तो इको कार ड्राइवर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां पर मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी विकास व भूपेंद्र ने बताया कि इको ड्राइवर तेज रफ्तार से चला रहा था और बाइक को सीधी टक्कर मार दी।

पिस्टल और कारतूस बरामद, युवक को पकड़ा

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। बीकानेर में हथियार रखने वाले युवकों की धरपकड़ के लिए अभियान शुरू है। शहर में हथियार लेकर घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से दो देशी पिस्टल और एक कारतूस बरामद किया गया है। गिरफ्तार युवक कावनी गांव के पास 25 जेएमडी का रहने वाला है। मुक्ता प्रसाद नगर थानाधिकारी धीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि नाल थाना क्षेत्र के कावनी गांव में रहने वाला ओम सिंह उर्फ बाबू सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। महज 30 साल के इस युवक के पास दो पिस्टल और एक कारतूस जब्त की गई। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच थाने की एसआई रेणु बाला को सौंपी गई है। पुलिस जांच कर रही है कि ओम सिंह ने हथियार कहां से खरीदे हैं? जिस व्यक्ति से ओम सिंह ने हथियार खरीदे हैं, उसकी भी गिरफ्तारी हो सकती है। साथ ही किन युवकों के पास हथियार है। इसका भी पता लगाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवक हथियार लेकर घूम रहे हैं। छोटे-मोटे झगड़े में ही हथियारों का उपयोग हो रहा है। ऐसे में पुलिस इस पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए काम कर रही है। आईजी के निर्देशन में अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

पंजाब में फूड सप्लाई विभाग में बदलाव

जनमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने अब फूड सप्लाई विभाग की वर्किंग सुधारने की तैयारी कर ली है। लोगों से सीधा संपर्क करने और शिकायतों का तुरंत समाधान करने के लिए विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब फूड इंस्पेक्टर से लेकर डीएफएसओ स्तर तक के अधिकारी सुबह 12 बजे तक दफ्तरों में बैठेंगे। डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी डिपो पर जाकर राशन बांटने की प्रक्रिया की जांच करेंगे। वे फील्ड में जाकर लाइव लोकेशन भी शेयर करेंगे। यह पूरी प्रक्रिया 28 फरवरी तक शुरू हो जाएगी। विभाग के मंत्री लाल चंद कटारूचक की अध्यक्षता में हुई अधिकारियों की बैठक में यह फैसला लिया गया है। फूड सप्लाई विभाग के डिस्ट्रिक्ट कैटेगरी के अफसर इंस्पेक्टर, स्नस्ह्व व डीएफएसओ सुबह 12 बजे तक जिला स्तर के दफ्तरों में बैठेंगे। वहां पर बैठने के पीछे विभाग कोशिश यही है कि लोगों की आने वाली शिकायतों का तुरंत निपटारा हो सकें। इसके बाद वह फील्ड में जाएंगे। 25 फरवरी तक उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत होंगी व्यापक जागरूकता गतिविधियां

● स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य इसी वर्ष टीबी से मुक्ति

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिले सहित संपूर्ण भारत को टीबी मुक्त बनाने के लिए जिले में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान चलाया जा रहा है, जो आगामी 24 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसके तहत जिले के ऑफिशियल आईईसी श्रीगंगानगर सोशल मीडिया हैंडल्स पर सोशल मीडिया कैम्पेन सहित ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर आमजन को टीबी रोग के प्रति जागरूक किया जाएगा। ये जानकारी शुक्रवार को एसीएमएचओ डॉ. मुकेश मेहता एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. साक्षी मेहता ने पत्रकार वार्ता में दी। टीबी ऑफिसर डॉ. मेहता ने बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के आयोजन में जिला व ब्लॉक स्तर पर आमुखीकरण व स्टेकहोल्डर्स कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आगामी दिवसों में तम्बाकू उपभोगी टीबी रोगियों को तम्बाकू छोड़ने के लिए काउंसलिंग, ग्राम पंचायत व ब्लॉक स्तर पर विद्यालयों में भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन, ग्राम पंचायत स्तर पर नारा लेखन व रैलियों का आयोजन, जिला स्तर पर मैराथन दौड़/रैली/प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। साथ ही होर्डिंग्स, फ्लैक्स व ब्रोशर इत्यादि के जरिए व्यापक जनजागरूकता प्रसारित की जाएगी। उन्होंने बताया कि संभावित टीबी रोगियों की जाँच, निःक्षय मित्र के द्वारा पोषण किट वितरण व निःक्षय पोषण मित्र बनाए जाने के लिए जनप्रतिनिधियों व स्वयं सेवी संस्थाओं को प्रेरित करना जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।साथ ही अभियान के तहत जिले के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल्स पर सोशल मीडिया कैम्पेन चलाकर आमजन को टीबी रोग के प्रति जागरूक किया जाएगा।

राजस्थान में 5 दिन बाद तेज होगी गर्मी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर थमने के बाद तापमान में हुई गिरावट से एक बार फिर हल्की सर्दी बढ़ गई। 22 फरवरी से यहां एक बार फिर से मौसम बदलेगा और तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। 25-26 फरवरी तक राज्य के कई शहरों में दिन में गर्मी बढ़ सकती है। बाड़मेर और जालोर के एरिया में पारा 35 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। मौसम के इस उतार-चढ़ाव से प्रदेश में अब मौसमी बीमारियों के केस भी बढ़ने लग गए हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान राजस्थान में मौसम साफ रहा और सभी जिलों में गुरुवार दिन में धूप रही। वातावरण में नमी रहने और हल्की हवाएं चलने से दिन में हल्की ठंडक रही। अजमेर, अलवर, जयपुर, पिलानी, सीकर, जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर, चूरू, नागौर, गंगानगर, बारां, हनुमानगढ़, सिरोही और करौली में गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गुरुवार को सबसे अधिक तापमान चित्तौड़गढ़ में 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राजस्थान में दूसरे राज्यों के वाहन चलाने पर देना होगा टैक्स

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। यदि आप दूसरे राज्य के वाहनों को कोटा में चला रहे हैं तो आपको इसका टैक्स देना पड़ेगा। इसके लिए परिवहन विभाग कोटा ने करीब 250 वाहन मालिकों को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस के अनुसार दूसरे राज्य का वाहन राजस्थान राज्य में लगातार संचालित हो रहा है तो राजस्थान मोटर वाहन कर अधिनियम 1951 के तहत राज्य का कर जमा करवाना आवश्यक है। विभिन्न टोल बूथ, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक सूचनाओं के आधार पर यह पुष्टि हुई है कि वाहन राजस्थान में चल रहा है, इससे वाहन पर कर बकाया चल रहा है। आदेशानुसार राजस्थान मोटर वाहन कराधान अधिनियम 1951 के नियम 28 (1) के तहत संबंधित वाहन मालिकों को यह सूचित किया गया है कि वे 7 दिनों के भीतर कार्यालय समय में उपस्थित होकर राज्य का बकाया कर जमा करें। यदि इस अवधि के भीतर कर जमा नहीं किया और कोई उचित साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया तो कार्रवाई की जाएगी। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय में आपके द्वारा कोई जवाब नहीं दिया जाता या कर जमा नहीं किया जाता है तो राजस्थान मोटर वाहन कराधान अधिनियम की धारा 13 और 13-ए के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसमें टैक्स जमा नहीं करने पर वाहनों को सीज तक किया जा सकता है। परिवहन विभाग ने यह नोटिस उन वाहन मालिकों को जारी किया है, जो कि दूसरे राज्य से वाहनों को लाकर राजस्थान में बिना टैक्स दिए ही लंबे समय से संचालित कर रहे हैं, जबकि नियम के अनुसार यदि कोई भी वाहन मालिक दूसरे राज्य से वाहन लाकर उसे राजस्थान में चला रहा है तो राजस्थान के टैक्स का 75 प्रतिशत टैक्स देना पड़ता है, लेकिन राजस्थान में ऐसा नहीं होने से आरटीओ को सख्त कदम उठाना पड़ा है। आरटीओ के नोटिस के बाद शहर में खलबली मच गई, क्योंकि इससे पहले इस तरह के आदेश कभी जारी नहीं हुए। अब कई वाहन मालिक कोटा परिवहन कार्यालय में टैक्स जमा करवाने के लिए पहुंच रहे हैं। परिवहन विभाग की टीमों ने टोल बूथ व शहर में संचालित सभी सर्विस सेंटर से दूसरे राज्यों के वाहन की जानकारी लेकर उन वाहन मालिकों के खिलाफ नोटिस जारी किए हैं। इससे कोटा परिवहन विभाग ने अभी तक 8 लाख रुपए से अधिक का टैक्स वसूल किया है।

राजस्थानी सिंगर पर हमले के 3 आरोपी गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

भीलवाड़ा। राजस्थानी सिंगर राजू रावल पर बीती देर रात कुछ लोगों ने हमला कर दिया। हमले के बाद गुस्साए लोगों ने थाने पर प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में तीन युवकों को हिरासत में लिया है । बीती देर रात सिंगर राजू रावल आसींद कस्बे के बस स्टैंड से नेगाड़िया रोड की ओर जा रहे थे इस दौरान एक गली में ट्रैक्टर ट्रॉली हटाने को लेकर उनका कुछ लोगों से विवाद हो गया।इसी बीच कुछ लोगों ने राजू पर सरिए और पत्थरों से हमला कर दिया। हमले में राजू की आंख और सिर पर चोट आई है।हमलावरों ने उनकी कार में तोड़फोड़ कर उसे डैमेज कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। इधर घटना के बाद बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के पदाधिकारी और राजू रावल के फॉलोअर थाने पर इकट्ठा हो गया उन्होंने हमलावरों की गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई करने की मांग की। राजू ने बताया की वो एक फंक्शन अटेंड करने आसींद से नेगडिया की तरफ जा रहा था नदी के बीच में रास्ते में ट्रैक्टर खड़ा था। मैंने उतरकर उनको बोला की इसे को थोड़ा साइड में खड़ा कर लो । इसी दौरान एक घर से दो-चार आदमी निकाल कर आए और गाली-गलौज करने लग गए।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692